WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा था- आलिया को ऑनस्क्रीन किस करना बहुत बोरिंग

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 300 | लखनऊ, मंगलवार, 20 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना के मामले हुए 75.50 लाख सक्रिय मामले घटकर 7.72 लाख

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा लगातार बढ़ते हुए 75.50 लाख हो गया है वहीं स्वस्थ होने वाले की मरीजों की संख्या बढ़ने से सक्रिय मामले घटकर 7.72 लाख पर आ गये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 55,722 नये मामले आये और यह संख्या 75,50,273 हो गयी। इसी अवधि में 66,399 लोगों ने कोरोना को मात दी है और इसे मिलाकर देश में अब तक 66.63 लाख मरीज कोरोनामुक्त हो चुके हैं। नये मामलों की तुलना में स्वस्थ

होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामले 11,256 घटकर 7,72,055 हो गये हैं। मृतकों की संख्या एक दिन बढ़ने के बाद इसमें फिर कमी आयी और रविवार को 1033 की तुलना में यह 454 कम होकर 579 रही जिसे मिलाकर अब तक 1,14,610 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। देश में स्वस्थ होने वालों की दर 88 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर 10.23 प्रतिशत पर आ गयी है जबकि मृत्यु दर अभी 1.52 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 2294 कम होकर 1.83 लाख रह गये हैं जबकि 150 की मौत होने से मृतकों की संख्या 42,115 हो गयी है। इस दौरान 11,204 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 13.69 लाख हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1383 की कमी से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1.09 लाख हो गई हैं। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 10,478 पर पहुंच गया है तथा अब तक 6.45 लाख लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 628 कम होने से सक्रिय मामले 36,474 रह गये। राज्य में अब तक 6429 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 7.44 लाख लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 1524 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 34,866 हो गये हैं।

ईडी ने फारुक से जेकेसीए घोटाले में की पूछताछ

श्रीनगर, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला से जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) घोटाले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को पूछताछ की। इस बीच एनसी उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला तथा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने डा. अब्दुल्ला से हुई पूछताछ को राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम बताया है जबकि पीडीपी के वरिष्ठ नेता एवं पीडीपी-भारतीय जनता पार्टी गठबंधन सरकार के पूर्व प्रवक्ता नईम अख्तर ने कहा कि यह सरासर

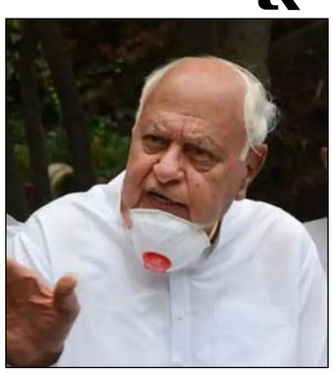

धमकी है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि डा. अब्दुल्ला को दो दिन पूर्व ईडी की ओर से जेकेसीए घोटाले के संबंध में सोमवार को इसके सामने पेश होने का समन जारी किया गया था। डा. अब्दुल्ला आज जैसे ही यहां राजबाग स्थित कार्यालय में पहुंचे तो उनसे पूछताछ शुरू हो गयी। इससे पहले डा. अब्दुल्ला से 31 जुलाई 2019 को चंडीगढ़ में पूछताछ की गयी थी। इसके पांच दिनों के बाद ही यानी पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया था तथा डा. अब्दुल्ला, उनके पुत्र उमर तथा सुश्री मुफ्ती समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को हिरासत में या फिर नजरबंद कर दिया गया था।

मंत्री को आइटम कहने पर बैकफुट पर कमलनाथ

पूर्व सीएम की सफाई,विधायक का नाम याद नहीं आया था, इमरती बोलीं- कुर्सी गई तो पागल हो गए

नयी दिल्ली, एजेंसी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की ओर से राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी पर दिए विवादित बयान पर बवाल मच गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा समेत तमाम नेता अलग-अलग शहरों में मौन धरने पर बैठे। इमरती देवी ने कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी से कमलनाथ को पार्टी से निकालने की मांग की है, उधर बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि कांग्रेस को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस पर इमरती देवी ने कहा कि वो (कमलनाथ) बंगाल का आदमी है, वो महिला का सम्मान क्या जाने। कुर्सी जाने से पागल हो गए हैं। कमलनाथ ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि आइटम अपमानित शब्द नहीं है। विधायक का नाम याद नहीं आया, इसलिए आइटम कह दिया। कमलनाथ ने रविवार को डबरा की चुनावी सभा में इमरती देवी को आइटम कहा था। इसके विरोध में सोमवार को शिवराज पुरानी विधानसभा में गांधी प्रतिमा के सामने मौन धरने पर बैठे। राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया इंदौर में और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने ग्वालियर में मौन धरना दिया। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने ट्वीट करके बताया कि कमलनाथ को नोटिस भेजा गया है। इसके साथ चुनाव आयोग को भी पत्र लिखा गया है। ग्वालियर संभाग के पार्टी प्रवक्ता केके मिश्रा का कहना है कि कमलनाथ ने किसी महिला को निशाना नहीं बनाया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि गांधी परिवार कमलनाथ के खिलाफ एक्शन लेगा। चाहे कमलनाथ हों या दिग्विजय सिंह, ये वे लोग हैं जो गांधी परिवार की रसोई में आग जलाए रहते हैं।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा स्वशासन की गारंटीः बुखारी

श्रीनगर, एजेंसी। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रदेश में स्वशासन की गारंटी दे सकता है। पूर्व मंत्री बुखारी ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग इसे राज्य का दर्जा दिए जाने में कोई और देरी नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा दिए जाने से जम्मू-कश्मीर के निवासियों को स्वशासन के अधिकार की गारंटी मिल सकती है। श्री बुखारी ने श्री शाह की इस टिप्पणी का स्वागत किया जिसमें उन्होंने कहा है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य के तौर पर दर्जा बहाल करने में केंद्र को अधिक समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अब किसी राजनीतिक दल या किसी नेता के बारे में नहीं है।

पहले था गुंडाराज, अब अपराध में 23वें स्थान पर पहुंचा बिहारः नीतीश कुमार

बिहार, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने विपक्षी दल राजद पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि पति-पत्नी के 15 साल का शासनकाल नरसंहार, अपहरण और गुंडागर्दी से भरा था। उन्हें जब काम करने का मौका मिला तो कानून का राज स्थापित किया। यही वजह है कि देश में बिहार अब अपराध के मामले में 23वें स्थान पर पहुंच गया है। शेरघाटी के जदयू प्रत्याशी विनोद प्रसाद यादव के पक्ष में शहर के रंगलाल हाइ स्कूल के मैदान में आयोजित जनसभा में उन्होंने ये बातें कहीं। नीतीश कुमार ने अपनी कार्य योजना को निश्चय-2 की संज्ञा देते हुए कहा कि गांवों को अब सौर ऊर्जा से रोशन किया जाएगा। छात्रों को जिला स्तर पर बढ़िया ट्रेनिंग दी जाएगी। हर खेत को पानी मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने विपक्षी नेताओं के दस लाख रोजगार देने के वादे की खिल्ली उड़ाते हुए कहा कि कहीं रोजगार के नाम पर वे लोग फिर से धंधा न शुरू कर दें। नीतीश ने कहा कि हमारी सरकार ने टोला सेवक, विकास मित्र, तालीमी मरकज और विभिन्न प्रकार की 6 लाख नौकरियां बेरोजगार युवकों को दीं। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की एनडीए सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न तो युवाओं को रोजगार दे सकी और न ही 15 वर्षों में कोई कल-कारखाना लगवा सकी। तेजस्वी ने सूर्यगढ़ा, शेरघाटी , लखीसराय व जमुई में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो 10 लाख नौजवानों को रोजगार देंगे। वृद्धावस्था पेंशन चार सौ से एक हजार रुपए की जाएगी।

शोपियां में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ एक आतंकी ढेर

जम्मू, एजेंसी। दक्षिण कश्मीर के शोपियां के मेलहुरा इलाके में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। मुठभेड़ अभी जारी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अब तक मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। हालांकि मारे गए आतंकवादी की अभी पहचान नहीं हुई है। दरअसल, खुफिया एजेंसी को मेलहुरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली। जिसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना की 55 आरआर की एक संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर इलाके को खाली करा कर तलाशी अभियान शुरू किया है। जैसे ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, तभी छिपे हुए आतंकवादियों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। जिसके बाद कार्रवाई में अब तक एक आतंवादी मारा गया है। आपको बता दें कि घाटी में इस साल अब तक कुल 184 आतंकवादी मारे जा चुके हैं।

कलकाा कोर्ट ने बंगाल में दुर्गा पूजा पंडाल में एंट्री पर लगाई रोक

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के सभी दुर्गा पूजा पंडालों को कोविड-19 महामारी के मद्देनजर नो-एंट्री जोन घोषित कर दिया है। हाई कोर्ट का यह आदेश राज्य में सबसे बड़े त्योहार से ठीक तीन दिन पहले आया है। हाई कोर्ट का यह आदेश डॉक्टरों की उस चेतावनी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर दुर्गा पूजा पंडालों में अगर प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कम से कम तीन से चार गुना वृद्धि हो सकती है। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश देते हुए कहा है कि पंडाल के बाहर बैरिकेड्स लगाने की जरूरत है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि राज्य के बड़े पंडालों में कम से कम 10 मीटर की दूरी पर बैरिकेड लगाया जाएगा, जबकि छोटे पंडालों के लिए बैरिकेड्स लगाने की दूरी 5 मीटर होगी। याचिकाकर्ताओं के वकील सव्यसाची चटर्जी ने कहा कि क्लब के सदस्यों को छोड़कर किसी भी आगंतुकों को इस नो-एंट्री जोन के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल क्लब के सदस्य जो पूजा का आयोजन कर रहे हैं, वे पंडाल में प्रवेश कर सकते हैं। हालांकि, कोर्ट ने क्लब के सदस्यों की संख्या भी निर्धारित कर दी है जिनको पंडाल में जाने की अनुमति रहेगी। छोटे पंडाल में क्लब के 15 संदस्यों की एंट्री रहेगी और बड़े पंडालों में क्लब के 25 मेंबर अंदर जा सकते हैं। कोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि पंडाल में जाने वाले सदस्यों के नाम बदले नहीं जाएंगे और उनकी पूरी सूची को लगाना होगा। बता दें कि राज्य में भले ही दुर्गा पूजा की शुरुआत 22 अक्टूबर से हो रहा हो लेकिन रविवार और सोमवार से ही पंडाल लगाने शुरू हो गए थे। फोरम फॉर दुर्गोत्सव के एक सदस्य ने कहा कि हमने अभी तक आदेश नहीं देखा है। लेकिन जैसा कि यह हाई कोर्ट का आदेश है, हमें इसे लागू करना होगा। यह हमारे लिए मुसिबत भरा है।

भारतीय सीमा में पकड़ा गया चीनी सैनिक

भटककर एलएसी के पार लद्दाख में आ गया था सैनिक, भारतीय सेना ने उसे कपड़े और खाना दिया; जल्द पीएलए को सौंपेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख में सेना ने सोमवार को एक चीनी सैनिक को पकड़ा है। ये सैनिक भटक गया था और लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पारकर चुमार-डेमचोक इलाके में आ गया था। जल्द ही इसे चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को सौंपा जाएगा। सेना ने बताया कि चीन के सैनिक का नाम वांग या लॉन्ग है। वह चीनी सेना में नायक है। ऊंचाई वाले इलाके और खराब मौसम में चीनी सैनिक देखरेख के लिए सेना ने ऑक्सीजन, खाना और कपड़े दिए हैं। सेना के मुताबिक, पीएलए ने भारत से सैनिक के बारे में जानकारी मांगी थी। अब प्रोटोकॉल के तहत कार्यवाही पूरी होने के बाद सैनिक को चीन को सौंपा जाएगा। चुशुल-मोल्डो मीटिंग प्वाइंट पर पीएलए को उसका सैनिक सौंपा जाएगा। इस मीटिंग प्वाइंट पर लद्दाख में जारी तनाव

के बीच भारत और चीन के बीच मिलिट्री लेवल की कई वार्ताएं भी हो चुकी हैं। लगातार तनाव के बीच भारतीय सेना ने सर्दियों में लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में डटे रहने की तैयारियां कर ली हैं। भारत ने ऊंचाई वाले इलाकों लिए वॉरफेयर किट और विंटर क्लोथ अमेरिका से खरीदे हैं। भारतीय सैनिकों का लद्दाख के पैंगॉन्ग लेक के दक्षिण में 13 अहम चोटियों पर कब्जा है, जहां वे माइनस 25 डिग्री सेल्सियस टेम्परेचर में पूरी मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। सीमा विवाद हल करने के लिए चुशुल में 12 अक्टूबर को कोर कमांडर स्तर की मीटिंग करीब 11 घंटे चली, लेकिन पहले की बैठकों की तरह ही इसमें भी कोई पुख्ता रास्ता नहीं निकल पाया। अमेरिका ने पिछले हफ्ते कहा था कि चीन ने लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर 60,000 सैनिक तैनात किए हैं। यह जानकारी कुछ दिन पहले क्वाड नेशंस की बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने दी थी। भारतीय सेना की ओर से कहा गया है, पीएलए के सैनिक को अत्यधिक ऊंचाई और प्रतिकूल जलवायु संबंधी परिस्थितियों से बचाने के लिए ऑक्सीजन, भोजन और गर्म कपड़े के साथ ही चिकित्सा सहायता मुहैया करायी गई है। बयान के अनुसार लापता सैनिक के ठिकाने के बारे में पीएलए से एक अनुरोध प्राप्त हुआ है। सेना ने कहा, स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार उसे चुशूल-मोल्डो बैठक स्थल पर चीनी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि चीनी सैनिक से पूछताछ की गई कि वह भारतीय क्षेत्र में कैसे आ गया।

नांदेड़ साहिब में जुलूस की इजाजत पर राज्य सरकार निर्णय लेः सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के नांदेड़ साहिब में जुलूस और शोभा यात्रा की इजाजत का मामला राज्य सरकार के मत्थे छोड़ दिया है, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि राज्य सरकार के निर्णय पर नांदेड़ गुरुद्वारे को कोई आपत्ति हो तो वह बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को स्वतंत्र हैं। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अवकाशकालीन पीठ ने सोमवार को नांदेड़ सिख गुरुद्वारा साहिब बोर्ड की याचिका की सुनवाई की, जिसमें उसने दशहरा उत्सव और गुरुग्रंथ साहिब जुलूस की इजाजत दिये जाने की मांग की थी। खंडपीठ ने कहा कि कोरोना काल में उत्सव और शोभा यात्रा को कितनी सीमित करके इजाजत दी जा सकती है इसका फैसला राज्य सरकार करेगी, लेकिन अगर उससे नांदेड़ गुरुद्वारे को कोई आपत्ति हो तो वह उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कोरोना काल में किसी जुलूस की इजाजत नहीं दी गई है। सुनवाई के दौरान गणपति महोत्सव का भी जिक्र आया और न्यायालय ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या नांदेड़ गुरुद्वारा में दशहरा उत्सव और गुरु ग्रंथ साहिब जुलूस को शाम पांच बजे तक सीमित रखने की अनुमति दी जा सकती है? न्यायालय ने कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोरोना की स्थिति को देखते हुए फैसला लिया जाये। न्यायमूर्ति राव ने राज्य के अधिकारियों को गुरुद्वारा समिति की याचिका सुनने का कहा। गौरतलब है गुरु गोबिंद सिंह जी के निर्वाण स्थल नांदेड़ साहिब में निकलने वाली शोभा यात्रा और अन्य उत्सवों की इजाजत लेने को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया थ कि केंद्र के दिशानिर्देशों के अनुसार 50 फीसदी लोगों के साथ इजाजत दे दी जानी चाहिए।

नई शिक्षा नीति से साकार होगा विवेकानंद का सपनाःनिशंक

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि पूर्व और पश्चिम के सर्वोत्तम तत्वों को भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान के साथ समाहित कर अंतर्मन की खोज, एकाग्रता, ध्यान की संस्कृति के साथ पश्चिम जगत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य सम्मिलित करने की स्वामी विवेकानंद का सपना नई शिक्षा नीति से साकार होगा। डॉ निशंक ने रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'नई शिक्षा नीति 2020 तथा स्वामी विवेकानंद के शिक्षा संबंधी विचार' वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में विश्वविद्यालयों के बारे में स्वामी विवेकानंद की धारणा थी कि यह एक शैक्षणिक केंद्र हैं, जो पूर्व और पश्चिम के सर्वोत्तम तत्वों को भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान के साथ समाहित करते हैं और इस ज्ञान में अपने अंतर्मन की खोज, एकाग्रता, ध्यान की संस्कृति के साथ पश्चिम जगत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य सम्मिलित है और उनके भारत को शैक्षणिक केंद्र बनाने का सपना नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति साकार करेगी। केंद्रीय मंत्री ने स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा कि आचार्य देवो भवः की सोच वाले हमारे समाज में स्वामी जी के अलावा श्री अरविंदो, रवींद्र नाथ टैगोर, महात्मा गांधी, डॉ राधाकृष्णन जैसे अनेक विचारकों ने शिक्षा के संबंध में अपनी एक परिकल्पना दी है और इन सभी परिकल्पनाओं का संगम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति है।

कोरोना महामारी के प्रभाव पर निर्भर करेगा 2021 का हजः नकवी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हज 2021, कोरोना महामारी के मद्देनजर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के दिशानिर्देशों पर निर्भर करेगा। श्री नकवी ने सोमवार को यहां हज 2021 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हज 2021 जून-जुलाई के महीने में होना है लेकिन कोरोना आपदा और उसके प्रभाव की संपूर्ण समीक्षा और सऊदी अरब सरकार एवं भारत सरकार के लोगों की सेहत, सुरक्षा के मद्देनजर दिशानिर्देशों को प्राथमिकता देते हुए हज 2021 पर अंतिम फैसला लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, अन्य भारतीय एजेंसियों द्वारा हज 2021 के लिए आवेदन प्राप्त करने एवं अन्य तैयारियां जल्द शुरू कर दी जाएँगी। सऊदी अरब सरकार की तरफ से हज 2021 के संबंध में फैसले के बाद आवेदन करने और अन्य प्रक्रिया को लेकर औपचारिक घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के चलते दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए हज व्यवस्थाओं में बड़े पैमाने पर परिवर्तन आ सकता है। इनमें भारत एवं सऊदी अरब में आवास, यातायात, स्वास्थ्य एवं अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण हज यात्रियों की सेहत-सलामती सरकार की प्राथमिकता है। भारत सरकार एवं अन्य सम्बंधित एजेंसियां इस दिशा में आवश्यक इंतजाम करेंगी। सरकार एवं हज कमेटी ने इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि भारत की शत प्रतिशत डिजिटल हज व्यवस्था का नतीजा है कि कोरोना के चलते हज 2020 पर ना जा पाने वाले एक लाख 23 हजार लोगों के 2100 करोड़ रूपए बिना किसी कटौती के डी.बी.टी के माध्यम से वापस कर दिए हैं। इस दौरान सऊदी अरब सरकार ने भी 2018-19 का हज यात्रियों के यातायात का लगभग 100 करोड़ रूपए वापस किया है। श्री नकवी ने कहा कि इसके अलावा पिछले तीन साल के दौरान हज यात्रियों का लगभग 514 करोड़ अधिक पैसा भी कोरोना काल में वापस किया गया है।

पराली जलाने की समस्या का समाधान एक साल में संभव

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि पराली जलाने की समस्या का समाधान एक साल में हो सकता है, लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से आग्रह करता हूं कि जब तक पराली जलाने की समस्या का समाधान नहीं हो जाता, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश की बैठकें बुलाएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर काबू के लिए पराली जलाने के समाधान को लेकर निश्चित समयसीमा होनी चाहिए। इससे पहले, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि महानगर में वायु प्रदूषण से लड़ने में सम-विषम योजना को लागू करना अंतिम विकल्प होगा और वर्तमान में सरकार रेड लाइट जली, गाड़ी बंद अभियान पर ध्यान दे रही है। राय ने एक संवाददाता सम्मेलन

में एक सवाल के जवाब में कहा था कि अगर अन्य सभी रास्ते विफल हो जाते हैं तो दिल्ली सरकार सम-विषम योजना को लागू करने के बारे में सोचेगी। बता दें कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार पूरी तरह गंभीर दिख रही है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आने वाले दिल्ली के किराड़ी की मुख्य सड़क के किनारे कचरे के ढेर में लगी आग पर कार्रवाई नहीं करने के चलते एनडीएमसी के खिलाफ एक करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को निरीक्षण के बाद दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को निगम पर जुर्माना लगाने का निर्देश दिया था।

विधायक और प्रमुख मुख्यमंत्री के वर्चुअल शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम में हुए शामिल

सभी ग्रामपंचायतों में एक ही छत के नीचे सभी शासकीय योजनाएं होगी संचालित- सुनील पासवान

गोरखपुर/चरगावां विकास खण्ड के अंतर्गत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना ,स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण व राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान व वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायती राज विभाग द्वारा निर्मित पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालयों का डिजिटल वेबकास्ट वर्चुअल के माध्यम से शिलान्यास एवं लोकार्पण उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी किए।

मुख्यमंत्री मंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा पंचायत भवनों और समुदायिक शौचालयों के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिपराईच के क्षेत्रीय विधायक महेन्द्रपाल सिंह ,ब्लॉक प्रमुख चरगांवा सुनील पासवान की अध्यक्षता में उपस्थित हो कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के विचारों को सुना। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि पंचायत भवन और समुदायिक शौचालय बन जाने से किसी को शौच करने में कोई असुविधा नहीं होगी। ये प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी की प्रमुख योजना है। प्रमुख चरगावां सुनील पासवान ने कहा कि गांवों में पंचायत भवन बन जाने से गांव के हर असहाय ब्यक्ति को शासकीय योजनाओं द्वारा संचालित एक ही छत के नीचे संचालित होगा जो बहुत ही जन उपयोगी साबित होगा। और कहा कि सामुदायिक शौचालय बन जाने से स्वच्छता अभियान के प्रति स्वच्छ भारत मिशन का सपना प्रधानमंत्री मोदी जी व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का भी सपना पूरा होगा और मां बहन बेटियां भी सुरक्षित रहेगी। इस अवसर पर चरगांवा के पूर्व प्रमुख रामआसरे निषाद, पिपराइच के विधायक प्रतिनिधि अरविंद सिंह,जिलापंचायत सदस्य हनुमान बेलदार, पूर्व जिलापंचायत सदस्य रामबृक्ष यादव,भाजपा के जिलामंत्री नरेंद्र सिंह,भाजपा मण्डल अध्यक्ष दयाशंकर मिश्र,आदित्य चौहान,भाजपा युवा मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष अमित चौहान, एडीओ पंचायत श्रीकृष्ण वर्मा,एडीओ कृषि चित्रसेन सिंह,एडीओ कृषि रक्षा मोईनुद्दीन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ0 धनंजय कुशवाहा, कलाधर पांडेय, वरिष्ठ सहायक ऐश्वर्य प्रजापति, जेई एम आई इंद्रजीत वरुण, लेखाकार जयंत व अवनीश उपाध्याय, समाजसेवी राजेन्द्र पांडेय, ग्राम पंचायत परमेश्वरपुर के प्रधान प्रतिनिधि उमेश पासवान, संदीप कुमार, रघुनाथ पांडेय, जगदीश पासवान,रामदया पासवान, हनुमान निषाद, लाल जी गुप्ता, मिंटू मिश्रा, ओपी यादव, मीडिया प्रभारी संतोष श्रीवास्तव सहित समस्त ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारी,ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, आंगनबाड़ी व सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

मोहनलालगंज से भाजपा सांसद कौशल किशोर के बेटे आकाश किशोर का निधन

किड़नी फ़ेल होने के चलते हुई मौत, मुख्यमंत्री योगी आदिनाथ ने जताया शोक

कंचन उजाला / लखनऊ। मोहनलालगंज से भारतीय जनता पार्टी के सांसद कौशल किशोर के बेटे आकाश किशोर उर्फ जैवी (28) का बीमारी के चलते लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के शताब्दी हॉस्पिटल में निधन हो गया। 4 दिन पहले किडनी में शिकायत के चलते उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को उनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया और उनकी मृत्यु हो गई। आकाश का विवाह चार वर्ष पहले श्वेता किशोर से हुआ था। आकाश का एक दो वर्ष का बेटा कृष्णा किशोर भी है। सांसद कौशल किशोर बेटे के निधन की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक लहर दौड़ गई। किशोर के घर पर हजारों की संख्या में समर्थकों का पहुंचना शुरू हो गया। आपको बता दें कि सांसद कौशल किशोर की पत्नी मलिहाबाद से विधायक हैं। सांसद कौशल किशोर व मलिहाबाद विधायक जय देवी के बेटे की मृत्यु का समाचार पाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फोन कर सांसद कौशल किशोर को ढांढस बंधाया। फोन करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ग्रामीण विकास मंत्री मोती सिंह ने फोन कर व बख्शी का तालाब विधायक अविनाश त्रिवेदी, सरोजिनी नगर से विधायक व प्रदेश सरकार मंत्री स्वाति सिंह, हैदरगढ़ से विधायक बैजनाथ रावत, वीरेंद्र तिवारी, पूर्व छात्र नेता राजेश शुक्ला, नवीन चंद्र द्विवेदी, भारतीय जनता पार्टी से जिलाध्यक्ष कृष्ण लोधी, पूर्व मंत्री शरद शुक्ला आदि ने पहुंचकर शोक संतप्त किशोर परिवार को ढांढस बंधाया।

बढ़ते अपराधों के खिलाफ जुलूस निकाल रहे सपाइयों की पुलिस से नोंक-झोंक हुई गिरफ्तारी

पुलिस के बल पर सरकार चलाना चाह रही है भाजपाः जयप्रकाश यादव

गोरखपुर/समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के तानाशाह अत्याचार जुल्म हत्या बलात्कार के खिलाफ में समाजवादी पार्टी गोरखपुर नगीना प्रसाद सहानी जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में गोरखपुर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपने का काम किया गया लेकिन गोरखपुर की पुलिस समाजवादी पार्टी के कार्यालय को छावनी बना कर रखा लेकिन हम समाजवादी के लोग पुलिस केबल पर यह सरकार नहीं चलेगी नारा लगाते हुए माननीय अखिलेश यादव जिंदाबाद का नारा हम नौजवानों ने लगाया और पुलिस से लड़कर आगे बढ़ने का काम किया लेकिन गोरखपुर पुलिस भाजपा सरकार के इशारे पर काम कर रही है जो निंदनीय है जय प्रकाश यादव प्रभारी कैंपियरगंज ने बताया हमारे साथ सैकड़ों नौजवान कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया लेकिन कुछ देर बाद छोड़ा गया जो बेहद निंदनीय है हम समाजवादी लोग हैं हम अखिलेश यादव जी के नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे जब तक उत्तर प्रदेश से भ्रष्टाचार वाली सरकार हटाना है तब तक संघर्ष किया जाएगा कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगीना प्रसाद साहनी जिया इस्लाम विजय बहादुर यादव जयप्रकाश यादव अखिलेश यादव, पिपराइच समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र भूषण निषाद, रणजीत पासवान रमेश यादव कपिल मुनि यादव सुनील आजाद एडवोकेट सुनील यादव राहुल यादव संजय पहलवान अवधेश यादव सिराजुद्दीन रहमानी अमित सिंह सैंथवार एहतेशाम खान पंकज यादव विक्रम यादव वेद प्रकाश चौधरी बिंदा देवी महिला सभा राजेश यादव मनीष पांडेय सीताराम गौड़ अध्यक्ष जनजाति मुन्नू प्रसाद अखिलेश प्रसाद बड़ी संख्या में समाजवादियों ने माननीय अखिलेश यादव जी के आदेश का पालन किया।

कोरोना काल में होम्योपैथी की भूमिका महत्वपूर्ण

बस्ती। कोरोना काल में होम्योपैथी की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस पद्धति से सीमित व्यय करके लोगों का जटिल रोग दूर हो जाता है। यह विचार एचडीएफसी लाइफ के शाखा प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डा. सुरेश द्विवेदी ने जिला अस्पताल रोड पर स्थित सुलक्ष्मी टावर में हर्ष होमियो फार्मा का उदघाटन करते हुये व्यक्त किया। हर्ष होमियों फार्मा के प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि पूरा प्रयास होगा कि मरीजों को बेहतर और सस्ते दर पर औषधियां उपलब्ध करायी जाय। इस अवसर पर चिकित्सक डा. प्रशान्त त्रिपाठी, डा. जितेन्द्र त्रिपाठी, अमरेन्द्र पाण्डेय, अवनीश सिंह, प्रदीप त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, सुनील उपाध्याय रिपुसूदन मिश्रा मनीष पाण्डेय आदि शामिल रहे।

गोरखपुर यूट्यूब चैनल, फेसबुक लाइब एवं गौरी गेस्ट हाउस का किया शुभारंभः राधा मोहन दास अग्रवाल

गोरखपुर/बाबा गुरु गोरखनाथ जी की धरती पर नगर निगम वार्ड नंबर 60 रुस्तमपुर क्षेत्र में निकट विद्युत सब स्टेशन के पास पत्रकारिता जगत से जुड़े हुए युवा पत्रकार रेवती रमण भंडारी ने आज के पत्रकारिता को देखते हुए मोबाइल की दुनिया में हर छोटे बड़े खबरों को देखने के लिए जहां नागरिक उत्साहित रहते हैं। इसी उद्देश्य से लेकर अपना गोरखपुर यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक लाइव और गौरी गेस्ट हाउस का शुभारंभ लोकप्रिय नगर विधायक डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर कार्यक्रम का शुरुआत किया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर व्यापार मंडल के सत प्रकाश उर्फ मुन्ना सहित कई व्यापारी गण उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत माला पहनाकर मंच पर उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।व साथ में ही अंग वस्त्र देकर नगर विधायक को सम्मानित किया गया। इस पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े हुए व्यापारी संघ के वरिष्ठ सतय प्रकाश मुन्ना ने कहा कि व्यापारी संघ की तरफ से अपना गोरखपुर यूट्यूब चैनल को बधाई देते हुए कहा कि आज के परिवेश में ऐसा पत्रकार नहीं मिलेगा फोटो पत्रकारिता हो या प्रिंट की पत्रकारिता इन दोनों में 20 वर्षों से इन्होंने अपना व्यवहार कुशलता से अपने शब्दों के माध्यम से जनता की आवाज बंद कर इन्होंने जो काम कर दिया है। शायद अब बहुत कम लोग मिलेंगे इनकी सोच और मेहनत एक दिन इनका चैनल प्रदेश स्तर तक अच्छी आवाज बनकर गूजेगा। वही मुख्य अतिथि डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के परिवेश में पत्रकारिता काफी बदल गई है। और नेट की दुनिया ने बहुत कुछ बदल के रख दिया है पल भर की खबरें पूरे विश्व में फैल जाती है। इसी सोच के साथ जो आज पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े हुए 20 वर्ष से ऊपर काम किए भंडारी जी के शब्दों से जो लेखनी निकलती है वह काफी सराहनीय रहता है। उन्होंने एक जोश भरते हुए कहा कि इनके में वह ताकत है शब्दों के प्रयोग से शासन तक पहुंचाने की साहस रखते हैं पहले से अब में पत्रकारिता में काफी बदलाव देखा गया मैं इनके हार्दिक बधाई देते हुए यह भी कहा कि आने वाले कुछ वर्षों के अंदर एक अच्छा मौका हासिल करेंगे जो इनके में साहस और परिचय है। इनकी एक यही पहचान बनकर पूरे प्रदेश में अपना परचम लहराएंगे।

इस कार्यक्रम में खलीलाबाद से आए मनमोहन सिंह, रामकोला से आए कमल राज मदोक, जौनपुर से आए राकेश खत्री व्यापार मंडल से आए सत प्रकाश मुन्ना जी मनीष सिंह एवं वार्ड के पार्षद जावेद खान, संजय सिंह एवं संचालन करते क्षेत्रीय पार्षद धर्मेंद्र सिंह सहित कई पार्षद व्यापारी गण उपस्थित रहे।

तिवारीपुर क्षेत्र के बीएसएफ के जवान का सहारा फाइनेंस ने हड़पा पैसा,पैसे की वापसी के लिए थानों का लगा रहा चक्कर

गोरखपुर/भारतीय सीमा सुरक्षा बल का जवान सहारा फाइनेंस द्वारा हड़पे गए पैसे की रिकवरी के लिए लगा रहा है थानों का चक्कर। तिवारीपुर थाना क्षेत्र के तिपरापुर निवासी अलाउद्दीन जो भारतीय सीमा सुरक्षा बल में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं और मौजूदा समय में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के विरुद्ध चलाए जा रहे स्पेशल अभियान का हिस्सा है। उन्होंने 2018 में क्रेडिट कोआपरेटिव सहारा सहजनवा ब्रांच में पैसा जमा करना शुरू किया। अलाउद्दीन के मुताबिक उनकी मैच्योरिटी होने के बाद उन्हें ?232600 सहारा फाइनेंस पर लेना था लेकिन अब फाइनेंस कंपनी पैसा देने में आनाकानी कर रही है जिसको लेकर उन्होंने इसकी शिकायत सहजनवा थाने पर की तो वहां से उन्हें तिवारीपुर थाने पर जाने के लिए कहा गया जब तिवारीपुर थाने पर पहुंचे तो फिर वापस सहजनवा भेज दिया गया।अलाउद्दीन का कहना है कि वह कुछ दिनों की छुट्टी लेकर अपने पैसे को हासिल करने के लिए थाने से थानों का चक्कर लगा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फौजियों के मामले में त्वरित कार्रवाई करने का अधिकारियों को आदेश भी दे रखा है। उसके बावजूद भी एक फौजी के साथ इस तरह व्यवहार पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है।

मिशन शक्ति की बैठक कर क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में चलाया गया जागरुकता अभियान

रुद्र प्रताप सिंह। राजधानी लखनऊ मालिहाबाद पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हृदेश कुमार के दिशा निर्देशों द्वारा मलिहाबाद क्षेत्राधिकारी योगेश सिंह के नेतृत्व में मिशन महिला शक्ति की बैठक की आयोजित कर थाना मलिहाबाद क्षेत्र के मोहम्मद नगर रहमत नगर व रहीमाबाद में ग्राम प्रधान बीडीसी आशा बहू व सम्मानित महिलाओं और छात्राओं के साथ मिशन शक्ति के तहत प्रशासन द्वारा अनेक प्रकार की जानकारियां दी गई जिसमें महिलाएं अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके उसके बारे में दावँ पेंच के गुर भी बताए गए जिसका डेमो उदाहरण के तौर पर दिखाया गया महिलाओं ने अपनी बातों को भी प्रशासन के समक्ष रखा प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति के तहत 24 घंटे सेवा में सदैव तत्पर हैं जो मिशन शक्ति के तहत सीयूजी नंबर 181,112 ,1098 जैसे न। आवंटित किए गए हैं उन नंबरों पर कॉल करके महिलाएं अपनी समस्या को प्रशासन के समक्ष रख सकती है अपने थाना क्षेत्र के सीयूजी नंबर पर भी कॉल कर सकती हैं क्षेत्राधिकारी द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश दिए गए हैं कि महिलाओं के साथ जो भी अभद्र व्यवहार व छेड़छाड़ जैसी अन्य घटनाएं करेगा और जो दोषी पाया जाएगा उसके समक्ष प्रशासन द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी और महिलाओं से गुजारिश है कि अपनी बहू बेटियों को अपने संस्कारों के बारे में भी जानकारी दें ताकि वह किसी मनचले लड़को के बहकावे में ना आएं अगर कोई भी ऐसी घटना घटती है तो वह तुरंत अपने माता-पिता को सूचना दें और जो सच हो वह तहरीर के आधार पर प्रशासन को अवगत करायें ताकि उसके विरुद्ध प्रशासन कार्यवाही कर सके रहीमाबाद क्षेत्र की अनीता गुप्ता ने बैठक में अपने विचार रखें सभी महिलाओं ने उनकी विचार धाराओं को संज्ञान में लिया और उस पर अम्ल करने के लिए प्रण लिया जिसमे क्षेत्राधिकारी मलिहाबाद योगेश सिंह रहीमाबाद चौकी प्रभारी द्वारिका प्रसाद प्रजापति उपनिरीक्षक राजमणि पाल उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह कांस्टेबल गिरजा शंकर सोने लाल वर्मा अमित कुमार तथा प्रधान पंकज मोहम्मद शोएब आसिफ महिलाओं में अंजलि शर्मा सीमा गुप्ता सना आहुति दीक्षित पूजा शर्मा आरती कनौजिया पूजा सिंह मानसी गुप्ता क्षेत्र की अन्य सम्मानित लोगों की उपस्थिति रही।

महिला सिपाही ही निकली प्रेमी सिपाही युवक की हत्यारन, पुलिस ने किया खुलासा

अयोध्या। रामजन्मभूमि थाने में तैनात योगेश चौहान की हत्या का इटावा पुलिस ने किया खुलासा।थाना रामजन्मभूमि में ही तैनात महिला सिपाही ही निकली हत्या की मास्टरमाइंड। महिला सिपाही मंदाकिनी ने अपनी दो सगी बहनों व दो अन्य लोगों के साथ मिलकर सिपाही योगेश चौहान की की थी हत्या। महिला सिपाही मंदाकिनी योगेश चौहान से करना चाहती थी शादी। योगेश चौहान ने किया था मना। महिला सिपाही मंदाकिनी की दोनों बहनों ने भी योगेश चौहान को राजी करने की की थी कोशिश।मना करने पर तीनों बहनों ने हत्या करने की बनाई योजना। अयोध्या से छुट्टी लेकर दोनों निकले थे अपने अपने घरों के लिए। अयोध्या से योगेश चौहान निकला था अपने गृह जनपद मथुरा के लिए।महिला सिपाही मंदाकिनी निकली थी अपने गृह जनपद इटावा के लिए।महिला सिपाही मंदाकिनी योगेश को ले गई इटावा।

चोरो नें किया जान लेवा हमला

गोरखपुर/सहजनवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा मुंडा में हुई जान लेवा हमला मुंडा गांव रात करीब 12 बजे दो चोरों ने दरवाजे पर खड़ी बाइक पल्सर को ले जाने का प्रयास किया तभी 32 वर्षीय भानु प्रताप शुक्ला पुत्र स्वर्गीय लखननदा शुक्ला को आवाज सुनाई दी उन्होंने आवाज दी दोनों चोरों ने दरवाजे के पास पुरानी मकान के पास छुप गए भानु प्रताप शुक्ला ने अपने नल के पास गए वहां पर छुपे हुए चोरों ने भानु प्रताप शुक्ला को गर्दन के पास चाकु मार दिया और पास के शौचालय में लेजा कर शौचालय में बंद कर दिया और चोरों ने वहां से भाग गए। कुछ देर बाद भानु प्रताप शुक्ला की मां अपने रूम के बाहर निकली तब देखी भानु प्रताप शुक्ला ने अपने बिस्तर पर नहीं है तो उनकी मां कुछ समय तक वहां पर इंतजार कि उसके बाद उन्होंने शौचालय के पास गई। तो वहां पर शौचालय के दरवाजे पर खुन देखी और दरवाजा खोला तो देखा कि भानु प्रताप शुक्ला ने बिहोश थें ??उनकी मां ने देख कर सोर किया उसके बाद घर के लोग वहां इकट्ठा हो गए । और तुरंत बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज में इलाज हुआ वहां लोगों ने लेकर अपने घर आए। और सुबह में 112 नम्बर पर सुचना दी 112 नम्बर पुलिस ने वहां पहुंच पुछ ताछ कि लेकिन उन्होंने किसी को पहचाने नहीं थे बताया गया कि भानु प्रताप शुक्ला सहजनवां के कुछ दिन पहले अपने मकान के छत पर से गिर गए थे जोकि उनका पैर टुटा हुआ था और काफी दिन से वह अपने मकान पर रह रहे थे भानु प्रताप शुक्ला ने शिक्षा मित्र हैं।

पुरंदरपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी 3 शातिर बाइक चोर को किया गिरफ्तार

जनपद महराजगंज में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने पुलिस अधीक्षक महराजगंज के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक पुरन्दरपुर शाह मुहम्मद मय हमराहियान के जरिए मुखबीर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर 03 नफर अभियुक्तों को काशीपुर तिराहे से समय करीब 16.30 बजे पुलिस हिरासत मे लिया गया पुछताछ करने पर अभियुक्तों द्वारा बताया गया साहब एक मोटरसाइकिल को टेढवा कुटी थाना कोतवाली से चुराये है तथा दुसरी मोटरसाइकिल अपने गाव गौहरपुर के सडक पर से लिये थे गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-228/2020, धारा-41/411/413 भा0द0वि0 का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए चालान मा0 न्यायालय किया गया। 1. मनीष चौधरी पुत्र मंगल नि0 गौहरपुर टोला टोला अमहवा थाना पुरन्दरपुर जनपद महराजगंज उम्र 19 2. संजय साहनी पुत्र रामबृक्ष साहनी नि0 गौहरपुर टोला टोला अमहवा थाना पुरन्दरपुर जनपद महराजगंज उम्र 19 3. संदीप पुत्र स्व0 सुग्रीव चौधरी नि0 गौहरपुर टोला टोला अमहवा थाना पुरन्दरपुर जनपद महराजगंज उम्र 19 बरामद की गई समान का विवरण 1. 02 अदद मोटरसाइकिल 1- बजाज पल्सर 2- बजाज बाक्सर गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण 1- शाह मुहम्मद प्रभारी निरीक्षक पुरन्दरपुर का0 नरेन्द्र कुमार का0 उपेन्द्र यादव।

22 वर्षीय विवाहिता का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मौके पर पहुंची पुलिस

बृजमनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महुलानी में एक 22 वर्षिय विवाहिता की मौत हो गयी परिजनो ने आनन फानन में विवाहिता का शव जलाने के लिए बनहा घाट पर लेकर गये इसकी सूचना किसी ने लड़की के पक्ष वालो को फोन के माध्यम से दे दिया जिससे लड़की पक्ष वाले कुछ देर में मौके पर पहुच गये और कहने लगें की बिना हमारे सूचना के कैसे आप लोग शव को जलाने जा रहे थे इसके बाद बृजमनगंज थानाध्यक्ष भी मौके पर पहुच गये और शव को अपने कब्जे मे लेकर थाने ले आये थाना अध्यक्ष ने कहा कि अभी तहरीर प्राप्त नही हुई है जैसे ही तहरीर प्राप्त होगी शव को पोस्टमार्टम के लिऐ भेजा जायेगा।

बाहुबली पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के बेटे, विनय शंकर तिवारी की कंपनी पर सीबीआई की छापेमारी

विनय शंकर तिवारी की है, कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेस, बैंक लोन फ्रॉड का है आरोप

किसी जमाने में ठेकेदारी में सिर्फ हरिशंकर तिवारी की तूती बोलती थी

गोरखपुर/उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री बाहुबली पंडित हरिशंकर तिवारी पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। उनके बेटे और चिल्लूपार से बसपा विधायक विनय शंकर तिवारी की कंपनी से जुड़े मामले में सीबीआई ने ताबड़तोड़ छापेमारी की है। यह छापे मारी लखनऊ गोरखपुर नोएडा समेत कई ठिकानों पर एक साथ हुई है छापेमारी। सीबीआई ने विनय शंकर तिवारी और उनकी पत्नी रिता तिवारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। एक कंपनी से जुड़े 754 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में सीबीआई ने पूर्व बाहुबली मंत्री हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी और उनकी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज किया है। बसपा विधायक विनय शंकर तिवारी से जुड़ी कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेस पर 1500 करोड़ के बैंक लोन घोटाले का आरोप है।

बैंक ने दर्ज कराई थी एफ आई आर

बताया जा रहा है कि गंगोत्री इंटरप्राइजेस के लिए बैंक लोन लिया गया था। लोन लेने के लिए फर्जी दस्तावेजों का प्रयोग किया गया और बाद में कंपनी ने लोन का भुगतान भी नहीं किया। इस मामले में बैंक ने विनय तिवारी की कंपनी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराई थी।

इन कंपनियों पर हुआ है ऐक्शन

बताया जा रहा है कि चिल्लू पार से बसपा विधायक विनय शंकर तिवारी, पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी और उनके परिवार से जुड़ी कंपनियों गंगोत्री इंटरप्राइजेज, मेसर्स रॉयल एंपायर मार्केटिंग लिमिटेड, मेसर्स कंदर्प होटल प्राइवेट लिमिटेड के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। सभी कंपनियां विनय शंकर तिवारी से जुड़ी हैं।

कौन है हरिशंकर तिवारी

आठवें दशक की बात है, पूर्वी यूपी में बाहुबल सियासत के रास्ते खोल रहा था। कई बड़े माफिया गिरोह यहां पैर पसार चुके थे। इसी गिरोह बंद राजनीत के बीच हरिशंकर तिवारी ने राजनीति का रास्ता पकड़ा। शुरुआती पराजय का स्वाद चखने के बाद 1985 में हरिशंकर तिवारी चिल्लू पार से विधायक बने। इसके बाद एससी तिवारी के नाम से जानी जाने लगी। तत्कालीन मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह के तमाम प्रयास के बावजूद चिल्लू पार से तिवारी की जड़ें नहीं उखड़ी। वह 1989, 91,93,96, और दो हजार दो मैं यहीं से जीते। इसी सीट के दम पर हरिशंकर तिवारी उत्तर प्रदेश राज्य के मंत्री बने, लेकिन लोकतंत्र पिछले आंकड़ों से नहीं चलता।

विनय तिवारी का राजनीतिक सफर

2007 में राजेश त्रिपाठी को बीएसपी ने टिकट दिया। पहले इस सीट पर श्याम लाल यादव बीएसपी से लड़ते थे। यादव टक्कर तो देते लेकिन जीत नहीं पाते। स्थानीय पत्रकार से नेता बने राजेश त्रिपाठी को भी बहुत गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन जब मत पेटियां खुली तो परिणाम बदल चुका था। हरिशंकर तिवारी अपनी सीट गंवा चुके थे। पहली बार जीते राजेश को इसका इनाम भी मिला और मायावती ने उन्हें मंत्री बनाया।

6 घण्टो के दौरान विधान सभा के सामने आत्मदाह के प्रयास की दूसरी घटना से हड़कम्प

मकान मालिक से हुए विवाद के बाद किराएदार ने लगाई आग हालत गम्भीर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की विधान सभा के सामने सोमवार को मात्र 6 घण्टो के अन्तराल मे आत्मदाह के प्रयास की दो घटनाओ ने उत्तर प्रदेश की सरकार और प्रदेश की पुलिस की कार्यशौली पर सवाल खड़े कर दिए है। सोमवार की सुबह करीब 10 बजे बाराबंकी से आए पूरे परिवार ने अपने शरीर पर मिटटी का तेल छिड़क कर आत्मदाह का प्रयास किया इस घटना के मात्र 6 घण्टे के बाद ही लोक भवन के सामने एक 55 वर्षीय व्यक्ति ने अपने शरीर पर आग लगा ली। विधान सभा के सामने बीच सड़क पर एक व्यक्ति को जलता देख पुलिस फोर्स दौड़ी और आग की लपटो से घिरे व्यक्ति के शरीर पर लाल रंग का कम्बल डाल कर आग बुझाई और बुरी तरह से झुलसे व्यक्ति को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुँचाया । 6 घण्टो के भीतर हुई आत्मदाह के प्रयास की दूसरी घटना के बाद पुलिस कमिश्नर सुजीत पाडेण्य सिविल अस्पताल पहुँचे। बताया जा रहा है कि लोक भवन के सामने आग लगाने वाले व्यक्ति से उसके मकान मालिक का किराएदारी को लेकर विवाद चल रहा था। जानकारी के अनुसार हुसैनगंज के उदयगंज मे डायमण्ड डेरी के पास जावेद के मकान मे किराए पर अपनी पत्नी पपिया चक्रवर्ती के साथ रहने वाले 55 वर्षीय सुरेश चक्रवर्ती ने सोमवार की शाम करीब सवा चार बजे लोक भवन के सामने अपने शरीर पर मिटटी का तेल छिड़क कर आग लगा ली। सुरेश को आग की लपटो से घिरा देख वहा मौजूद पुलिस कर्मी सुरेश को बचाने के लिए दौड़े और सुरेश के शरीर पर कम्बल डाल कर आग को बुझा दिया लेकिन जब तक पुलिस कर्मियो ने सुरेश के शरीर पर कम्बल डाल कर आग बुझाई तब तक उसके शरीर की खाल का अधिक्तर हिससा जल चुका था । पुलिस ने उसे तत्काल सिविल अस्पताल मे भर्ती कराया जहां उसका हाल जानने के लिए पुलिस कमिश्नर सुजीत पाडेण्य भी पहुँचे । मीडिया सेल के अनुसार मकान मालिक जावेद और किराएदार सुरेश चक्रवर्ती के बीच किराएदारी को लेकर काफी दिनो से विवाद चल रहा था । बताया जा रहा है कि मकान मालिक और किराएदार के बीच 8 वर्षो से लगातार विवाद चल रहा है दोनो के बीच चल रहा विवाद न्यायालय तक भी पहुँचा था। बताया ये भी जा रहा है कि लाक डाउन की अवधि मे सुरेश जावेद को किराया नही दे पाया था इस लिए दोनो के बीच विवाद बढ़ गया था । डीसीपी सोमेन वर्मा का कहना है कि विधान सभा के आसपास अग्नि शमन टीम पूरी तत्परता के साथ काम कर रही है उन्होने बताया कि आज घटित हुई दोनो घटनाओ मे 15 से 20 सेकेन्ड के अन्दर पुलिस ने रिस्पांस दिया है । उन्होने बताया कि सुरेश का मकान मालिक से 8 वर्ष से विवाद चल रहा है 2013 मे न्यायालय ने कुछ आदेश भी दिया था। डीसीपी ने कहा है कि पूरे प्रकरण की जॉच जारी है और झुलसे सुरेश का सिविल अस्पताल मे इलाज चल रहा है । हालाकि विधान सभा के सामने आत्मदाह के प्रयास की ये दो घटनाए पहली घटनाए नही है इससे पहले तमाम ऐसी घटनाए घटित हो चुकी है। विधान सभा के सामने जब कोई इस तरह की घटना घटित होती है और कोई जल जाता है तो सवाल यहां आसपास डियूटी पर लगे पुलिस कर्मियो की मुस्तैदी पर उठाए जाते है लेकिन ऐसा कोई रास्ता अभी तक नही निकाला गया है कि पूरे प्रदेश से विधान सभा के सामने आकर लोग आत्मदाह जैसा कदम ही न उठाए यहां बढ़ती आत्मदाह के प्रयास की घटनाए सिर्फ सरकार की मुस्तैदी पर सवालिया निशान नही लगाती है।

तलवारबाजी खिलाडियों के दोबारा अभ्यास की रणनीति पर चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। लाकडाउन में तलवारबाजी खिलाड़ियों की प्रैक्टिस काफी प्रभावित रही है और अब सीमित दायरे में अभ्यास की अनुमति दी गई है। इन हालात को देखते हुए लखनऊ तलवारबाजी संघ की सोमवार को संघ के अध्यक्ष टीपी हवेलिया के आवास पर हुई बैठक में विचार हुआ। इस दौरान संघ की नयी कार्यकारिणी का भी चुनाव हुआ जिसमें टीपी हवेलिया को अध्यक्ष और आशिया खातून को सचिव के पद पर दोबारा चुना गया। चुनाव के बाद इस बात पर चर्चा की गई कि तलवारबाजी खिलाडियों के अभ्यास की नयी रणनीति बनायी जाए। इससे खिलाडियों की तैयारी बेहतर होगी और जब प्रतियोगिताओं का आयोजन संभव होगा तब खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष समेत कई सपा में शामिल

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर अपनी आस्था जताते हुए बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव, विभिन्न प्रान्तों में चुनाव प्रभारी, 2017 में तुलसीपुर विधानसभा क्षेत्र जनपद बलरामपुर से बसपा प्रत्याशी रहे डॉ0 के.के. सचान, और कानपुर देहात के राजपुर (सिकन्दरा) क्षेत्र की पूर्व विधायक मिथलेश कटियार ने बहुजन समाज पार्टी छोड़कर आज समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इनके अतिरिक्त राजेश सोनकर पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत भदोही तथा रीना सोनकर भी सपरिवार समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। डॉ0 के.के. सचान, श्रीमती कटियार तथा राजेश सोनकर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर भरोसा दिलाया कि वे सन् 2022 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए अपने सभी समर्थकों के साथ पूरी निष्ठा से काम करेंगे। श्री यादव ने उम्मीद जताई है कि डॉ0 सचान, श्रीमती कटियार तथा सोनकर परिवार के आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के मामले में होमगार्ड कमांडेंट को बर्खास्त करने का आदेश दिया

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्थिक भ्रष्टाचार के मामले में होमगार्ड विभाग के एक जिला कमांडेंट को बर्खास्त करने का आदेश दिया है।राज्य सरकार के प्रवक्ता ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बुलंदशहर में तैनाती के दौरान जिला कमांडेंट मुकेश कुमार ने आर्थिक भ्रष्टाचार किया था। निलंबन के दौरान उनके खिलाफजांच चल रही थी। मुख्यमंत्री ने जांच पूरी होने के बाद इस अधिकारी को बर्खास्त करने का आदेश दिया है। प्रवक्ता के मुताबिक पिछले वर्ष नवंबर में कुमार को लेकर सोशल मीडिया पर तीन वीडियो वायरल हुए थे। वायरल वीडियो में होमगार्ड स्वयंसेवकों की विभिन्न प्रकार की ड्यूटी के एवज में कुमार रुपये लेकर अपनी जेब में रखते दिखाई दिए थे। उन्होंने कहा कि वीडियो क्लिप में हो रही वार्ता में यह साफथा कि होमगार्ड की ड्यूटी के एवज में जिला कमांडेंट द्वारा रुपये लिए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने तत्काल इसकी पड़ताल कराई। प्रारंभिक जांच डिप्टी कमांडेंट जनरल होमगार्ड, आगरा के स्तर से हुई, जिनकी रिपोर्ट के आधार पर कुमार को निलंबित कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले की विस्तृत जांच के लिए विवेक कुमार सिंह (डिप्टी कमांडेंट जनरल, केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ) को जांच अधिकारी बनाया गया था।

एलडीए में महिला कर्मचारीयों के लिए प्रारम्भ की गयी पिंक डेस्क

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु प्रारम्भ किये गये मिशन शक्ति अभियान के तहत प्राधिकरण में महिला हेल्प डेस्क, पिंक डेस्क की स्थापना की गयी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकांत द्विवेदी ने आज इस बूथ का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। साथ ही प्राधिकरण भवन में शिशु स्तनपान कक्ष का भी सृजन किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार, संयुक्त सचिव डी.एम. कटियार, अधिशासी अभियंता ओ.पी. मिश्रा, नायब तहसीलदार स्निग्धा चतुर्वेदी तथा काफी मात्रा महिला तथा पुरूष कर्मचारी भी उपस्थित थे।

प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था को लेकर सपा का विरोध प्रदर्शन, राज्यपाल को ज्ञापन

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज सपा कार्यकर्ताओं प्रदेश में लगातार हो रही हत्याओं एवं बच्चियों-महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्मों, लूट की घटनाओं एवं जनपद बलिया में 15 अक्टूबर को दिनदहाड़े भाजपा नेता द्वारा एसडीएम व सीओ के सामने एक युवक को गोली मार कर हत्या कर देने की शर्मनाक घटना के विरोध में जिलाधिकारी लखनऊ के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट लखनऊ पर सौंपा गया। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही हत्यायें एवं बच्चियों के साथ हो रहे दुष्कर्म, लूट की घटनाओं से कानून व्यवस्था की स्थिति अत्यन्त गम्भीर है। हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार की घटनाएं रोज ही घट रही हैं और प्रदेश की भाजपा सरकार इस पर नियंत्रण पाने में पूर्णतया विफल है। ध्वस्त कानून व्यवस्था का आलम तो यह है कि बलिया में 15 अक्टूबर 2020 को दिनदहाड़े रोशन की दुकान के आवंटन को लेकर पंचायत में हुए विवाद में भाजपा नेता ने एक युवक को गोली मार दी। उस समय घटनास्थल पर एसडीएम और सीओ भी मौजूद थे।

25 अक्टूबर तक यात्री सुरक्षा के लिए विशेष संरक्षा अभियान चलायेगा रेलवे

लखनऊ, संवाददाता। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल की मण्डल रेल प्रबन्धक डा0 मोनिका अग्निहोत्री के दिशा निर्देश पर दशहरा पर्व के दौरान दिनांक 25 अक्टूबर 2020 तक संरक्षित गाड़ी संचलन एवं यात्री सुरक्षा के लिए विशेष संरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। मण्डल रेल प्रबन्धक ने दशहरा पर्व के दौरान स्पेशल गाड़ियों के संचलन एवं यात्री सुरक्षा व सुविधा को देखते हुए निर्देश दिया है। इस अवधि में लखनऊ, गोण्डा, गोरखपुर स्टेशनों पर यह सुनिश्चित किया जायेगा कि गाड़ियों के नामित प्लेटफार्मों में कोई परिवर्तन न किया जाये। गाड़ियों के आवागमन व प्रस्थान संबंधित सूचना, डिस्प्ले बोर्ड पर लगातार प्रदर्शित की जा रही है। स्टेशनों पर जन उदघोषणा प्रणाली द्वारा यात्रियों को यात्रा के दौरान जहरखुरानी की घटनाओं से बचाव हेतु जागरूकता संदेश-''यात्रा के दौरान अपरिचित यात्री के साथ मेलजोल बढ़ाकर उनका दिया हुआ भोजन न करें, उसमें जहर,नशीला पदार्थ हो सकता है'' का प्रसारण किया जा रहा है। इसके साथ ही यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए जागरूक करने के उददेश्य से किसी भी अप्रिय घटना की सम्भावना प्रतीत होने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल,जीआरपी अथवा रेल कर्मचारी को सूचित करने का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। इस विशेष संरक्षा अभियान के अन्तर्गत मण्डल के रेलवे टैऊक एवं स्टेशनों के मध्य विभिन्न समपारों, निकटवर्ती गावों व बाजारों एवं मेला वाले स्थानों को चिन्हित कर रेलवे समपार को पार करने में बरती जाने वाली सावधानियॉ के बारे में शिक्षा अदालतों द्वारा, तथा पम्पलेट व हैण्डबिल वितरण के माध्यम से जनमानस को संरक्षा अधिकारी एवं संरक्षा सलाहकारों द्वारा जागरूक किया जा रहा है।

भाजपा सरकार चौथे साल में भी अपनी एक भी योजना लागू नहीं कर सकीः अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रपंची भाजपा सरकार जैसी कोई सरकार प्रदेश की जनता ने नहीं देखी है। इतना कृतघ्न नेतृत्व भी भाजपा के अलावा दूसरा नहीं जो समाजवादी सरकार के विकास कार्यों के लिए उसको श्रेय नहीं देना चाहता है। भाजपा सरकार अपने चौथे साल में भी अपनी एक भी योजना लागू नहीं कर सकी है सिवाय समाजवादी सरकार के समय के हुए कामों पर अपने उद्घाटन के शिलालेख लगाने के। भाजपा के इस चरित्र को क्या कहा जाये? समाजवादी सरकार के समय उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रतिष्ठित कैंसर इंस्टीट्यूट बनकर तैयार हो गया था। तब सरकार ने कैंसर के अलावा गम्भीर बीमारियों दिल, किडनी, लीवर के मुफ्त इलाज की भी अस्पतालों में व्यवस्था की थी। कैंसर की बीमारी का इलाज काफी मंहगा होता है। पीड़ित मरीजों को मुम्बई, दिल्ली, और दूसरे राज्यों में जाना होता है। लखनऊ में कैंसर अस्पताल को भाजपा सरकार ने क्यों नहीं अब तक चालू किया? अगर पहले चालू कर देते तो न केवल प्रदेश अपितु पड़ोसी राज्य बिहार और नेपाल तक के कैंसर पीड़ितों को इलाज की सुविधा मिल जाती। इधर जब बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाओं की बाढ़ आने से भाजपा सरकार की बदनामी देश-विदेश तक होने लगी तो 'मिशन शक्ति' के नाम पर मुख्यमंत्री जी ने भ्रामक प्रचार का एक और इश्तेहार पेश कर दिया है। वैसे हर बेटी को यह जानने का इंतजार है कि ऐंटी रोमियों स्क्वाड को मुख्यमंत्री जी ने कहां छुपा दिया है? वैसे भी समाजवादी सरकार ने 1090 को नारी शक्ति की सुरक्षा का कवच बनाया था। भाजपा ने उसको निष्प्रभावी बना दिया। 108 सेवा समाजवादियों द्वारा दी गई संजीवनी थी जिसके विस्तार को रोक दिया गया। यूपी डायल 100 का नाम 112 रखकर कौन सा कमाल कर दिया? बंद हो चुकी 181 में कार्यरत महिलाओं को आज भी वेतन के लिए गुहार लगानी पड़ रही है। समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की शुरूआत समाजवादी सरकार में ही हो गई थी, साढ़े तीन साल में भी भाजपा इसे पूरा नहीं कर पाई है जबकि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे दो वर्ष से कम समय में ही बनायी गई थी। लोहिया पार्क, जनेश्वर मिश्र पार्क और गोमती रिवरफ्रंट जैसे आकर्षक स्थलों का निर्माण समाजवादी सरकार ने किया था।

आधी-अधूरी तैयारियों के बीच खुले सरकारी स्कूल-निजी स्कूलों ने की पूरी तैयारी

पहले दिन निजी व सरकारी स्कूलों दोनों में रहा विद्यार्थियों का टोटा

लखनऊ, संवाददाता। सात माह के लम्बे समयान्तराल के बाद कक्षा नौ से कक्षा बारह तक के विद्यालयों को कोविड-19 प्रोटोकाल के साथ खोला गया। जहां एक तरफनिजी विद्यालयों में एसओपी की गाइड लाइन का पूरा पालन होता दिखायी दिया वही अनेक सरकारी स्कूलों में बदइन्तजामी दिखायी दी। परन्तु कुछ सहायता प्राप्त सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों ने अपने पास से सैनेटाइजर आदि का भी इंतजाम कर कोविड गाइडलाइन के साथ स्कूल खोले। राजाजीपुरम् स्थित सेंट जोसेफने पूरे एसओपी गाइड लाइन का पालन करते हुये बच्चों का स्वागत किया। यहां थर्मल स्क्रीनिंग के साथ हैण्ड सैनिटाइजर और बच्चों द्वारा खुद बनायी सैनिटाइजेशन टनल से गुजारने के बाद ही बच्चों को कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। अभिभावकों द्वारा दी गयी सहमति के बाद भी पहले दिन मात्र पचास प्रतिशत छात्र ही उपस्थित हुये। इसी प्रकार राजाजीपुरम् स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल की ए-ब्लाक तथा बी-ब्लाक स्थित शाखा में मेडिकल रूम सहित पूरे इंतजाम थे। ए-ब्लाक में चालीस व बी-ब्लाक में मात्र पचास छात्र ही उपस्थित थे। इसी प्रकार देश भारती इण्टर कालेज के प्रबन्धक मनुव्रत बाजपेयी ने बताया कि उनके यहां भी पूरी तरह से कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुये स्कूल का खोला गया। पहले दिन मात्र पैंतीस प्रतिशत छात्र उपस्थित हुये। वही राजकुमार एकाडमी और स्वर्णिम पब्लिक स्कूल सहित अन्य कई स्कूलों के प्रबन्धन ने दशहरे के बाद ही विद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा सैनिटाइजर और अन्य व्यवस्थाओं के लिये कोई बजट न दिये जाने के कारण सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने खुद अपने पास व्यवस्था करते हुये स्कूल खोले। योगेश्वर ऋषिकुल इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डा0 जी0के0 मिश्रा के अनुसार उन्होनें सोशल डिस्टेंसिंग के गोले और हैण्ड सैनिटाइजर का इंतजाम खुद से किया। कोविड के प्रति जागरूकता के प्रचार प्रसार पोस्टर आदि भी खुद से लगवाये। कक्षा नौ से बारह तक मात्र चार छात्र ही आये। राजेन्द्र नगर स्थित सोहनलाल इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य बी0एल0 वर्मा के अनुसार पहली पाली में कक्षा नौ के कुल पंजीकृत 32 छात्रों में 03 तथा कक्षा दस के पंजीकृत 35 में कुल 02 ही छात्र उपस्थित थें। एसओपी गाइडलाइन के संबंध में यहां कोई व्यवस्था सन्तोषजनक नहीं थी। बांसमण्डी स्थित इन्डस्टियल इण्टर कालेज के प्रधानाचार्या डा0 जय प्रकाश वर्मा के अनुसार बजट का अभाव होने के कारण सारी व्यवस्था विद्यालय ने खुद की है। यहां कक्षा नौ में 13 व कक्षा दस में 05 कक्षा ग्यारह में 11 और कक्षा बारह में मात्र बीस छात्र ही पंजीकृत है।

कोरॉजन का एक बार ही प्रयोग गन्ने की फसल में लगने वाले बेधक कीटों के नियंत्रण के लिए पर्याप्त

लखनऊ, संवाददाता। कोरॉजन कीटनाशक के सम्बन्ध में भ्रामक प्रचार के कारण किसानों द्वारा इसका प्रयोग गन्ना फसल में 2 से 3 बार किया जा रहा है, जो अत्यन्त हानिकारक है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान तो होता ही है, पर्यावरण तथा मृदा स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिक संस्तुतियों के अनुसार फसल वर्ष में एक बार ही कोरॉजन का प्रयोग गन्ने की फसल में लगने वाले बेधक कीटों के नियंत्रण हेतु पर्याप्त है, क्योंकि यह कीटनाशक काफी महंगा है और इसका प्रभाव भी काफी समय तक बना रहता है और यह वातावरण में जल्दी नष्ट नहीं होता है। अतः किसानों के लिए आर्थिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से भी इसका अधिक उपयोग किया जाना हितकर नहीं है। यह एक अतिघातक श्रेणी, का वर्गीकृत रसायन है, जिसका पर्यावरण तथा मृदा स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गन्ना विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरॉजन कीटनाशक का उपयोग अंकुर बेधक व चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु किया जाता है तथा इसका प्रयोग मई के अन्तिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में केवल एक बार करना पर्याप्त है। इसी प्रकार गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर द्वारा अपनी रिपोर्ट में बताया गया है कि इसका उपयोग अंकुर बेधक व चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु किया जाता है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर जो कि एक भारत सरकार की संस्था है, के द्वारा भी इसकी सिफारिश कंसुआ तथा टॉप बोरर नियंत्रित करने हेतु की गई है। अतः उपर्युक्त वैज्ञानिक रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि कोरॉजन का प्रयोग फसल की बोरर से सुरक्षा हेतु केवल एक बार करना पर्याप्त है। कोरॉजन एक मंहगी दवा है, जिसके अधिक प्रयोग से गन्ना फसल की लागत में काफी बढ़ोत्तरी हो जाती है तथा इसका प्रयोग आर्थिक दृष्टि से तभी उचित है।

महिला किसानों सशक्तिकरण पर आयोजित कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रदेश की महिलाओं एवं बालिकाओं के सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन के प्रति जागरूकता एवं उसे अमली जामा पहनाए जाने के उद्देश्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा महिला कृषकों के सशक्तिकरण हेतु लखनऊ स्थित योजना भवन के एनआईसी सेंटर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गत दिवस एक कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जनपदों के जनपद मुख्यालयों के साथ ही विकास खंडों के राजकीय कृषि बीज भंडारों पर उपस्थित 25,000 से अधिक महिला कृषकों ने लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से सहभागिता की। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गोरखपुर के एनआईसी सेंटर से संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों के हितों के संरक्षण तथा उनकी आय वृद्धि के लिए दृढ़ संकल्पित है।

विविध चिकित्सा केन्द्रों के निर्माण कार्यों की दूसरी किश्त मंजूर

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री की घोषणा से आच्छादित दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों क्रमशः मुहलानी सिद्धार्थनगर, बर्राह जौनपुर, तथा चालू अंश योजना के तहत एक प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र मुबारकपुर गेरिया पत्तोहपुर के भवन निर्माण हेतु द्वितीय किश्त अवमुक्त किए जाने की शासन द्वारा मंजूरी दे गई है। 17 अक्टूबर, 2020 को आदेश जारी करते हुए शासन ने जनपद सिद्धार्थनगर के प्रा0 स्वा0 केन्द्र मुहलानी हेतु द्वितीय किश्त के रूप में रूपये 37.91 लाख, जनपद जौनपुर के प्राथ0स्वा0 केन्द्र बर्राह हेतु द्वितीय किश्त रू0 27.17 लाख तथा जनपद पत्तोहपुर के मुबारकपुर गेरिया प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र हेतु द्वितीय किश्त 37.99 लाख धनराशि की स्वीकृति दी है। शासन ने 17 अक्टूबर को आदेश जारी करते हुए प्रा0 स्वा0 केन्द्र नगला मानसिंह जनपद आगरा के भवन निर्माण की पुनरीक्षित लागत 189.85 लाख की भी प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दे दी है। इस निर्माण कार्य की मूल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति 135.86 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त रूपये 47.00 लाख धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। अन्य स्वीकृतियों के क्रम में जनपद सिद्धार्थगर के प्राथ0 स्वा0 केन्द्र मुहलानी के भवन निर्माण की मूल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति रू0 138.31 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त रू0 69.15 लाख की धनराशि निर्गत की जा चुकी है। अब द्वितीय किश्त पुनरीक्षित लागत रू0 189.55 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सापेक्ष निर्गत की गई है। बर्राह जौनपुर प्रा0 स्वा0 केन्द्र हेतु रूपये 135.86 लाख रूपये की मूल प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष रू0 50 लाख धनराशि प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त की जा चुकी है। मुबारकपुर गेरिया जनपद पत्तोहपुर के प्राथ0 स्वा0 केन्द्र हेतु रू0 189.97 लाख की मूल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सापेक्ष रूपए 50 लाख धनराशि प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त की जा चुकी है।

बाल विकास परियोजनाओं में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार की आपूर्ति एवं वितरण की नवीन व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश की अपर मुख्य सचिव, बाल विकास एवं पुष्टाहार एस. राधा चौहान ने प्रदेश की बाल विकास परियोजनाओं में संचालित आंगनबाड़ीध्मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार की आपूर्ति एवं वितरण के सम्बन्ध में शासनादेश जारी कर दिया है। निर्गत शासनादेश में उन्होंने कहा कि पूर्व में निर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2020 को शासनद्वारा लिये गये निर्णय से पूरे राज्य में एकीकृत बाल विकास सेवाओं के अन्तर्गत पुष्टाहार से सम्बन्धित समस्त व्यवस्था वृहद परिवर्तन की ओर अग्रसर है। लगभग 30 साल से अधिक समय तक संचालित उत्पादन व आपूर्ति की व्यवस्था की पूर्णतया परिवर्तित करते हुए इस कार्य को स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से किया जाना, न केवल स्थानीय सहभागिता को बढ़ावा देगा बल्कि गर्भवती, धात्री महिलाओं, 11 से 14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकाओं एवं बच्चों को गुणवत्तायुक्त पोषण स्थानीय परिवेश में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा। श्रीमती चौहान ने कहा कि प्रदेश की बाल विकास परियोजनाओं में संचालित आंगनबाड़ीध्मिनी आगनबाड़ी केन्द्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार की आपूर्ति अब स्वयं सहायता समूहों के द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्री, मिनी आगनबाड़ी कार्यकत्री के माध्यम से ही की जायेगी। चयनित स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूह के स्वरोजगार के साथ-साथ स्थानीय महिलाओं का भी सशक्तीकरण होगा। उन्होंने कहा कि माताओ तथा स्थानीय महिलाओं की भूमिका इस व्यवस्था की सफलता में महत्वपूर्ण कड़ी बनेगी। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से पूरे प्रदेश में उत्पादन हेतु वांछित अवस्थापना विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। श्रीमती चौहान ने कहा कि 25 नवम्बर 2020 को लाभार्थियों को इस विकेन्द्रीकृत व्यवस्था के माध्यम से प्रथम बार पूरे प्रदेश में भारत सरकार के मानकों के अनुरूप पुष्टाहार वितरित किया जाना प्रस्तावित है।

महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत गरीब कल्याण रोजगार अभियान प्रकोष्ठ का उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के ग्राम्य विकास एवं समग्र विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह 'मोती सिंह' ने आज विधान सभा मार्ग स्थित राज्य मनरेगा कार्यालय में महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत गरीब कल्याण रोजगार अभियान प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मनरेगा राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ के आधुनिकीकरण व स्वतंत्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधाओं के विकसित होने से प्रदेश के सभी 827 विकास खण्डों से सीधा संवाद स्थापित हो सकेगा। ग्राम्य विकास मंत्री ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक स्वतंत्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष की स्थापना एवं कॉल सेंटर के आधुनिकीकरण किये जाने से ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के अन्तर्गत मानकों पर किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा भी नियमित रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जा सकेगी।

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 1746 नये मामले आये सामने

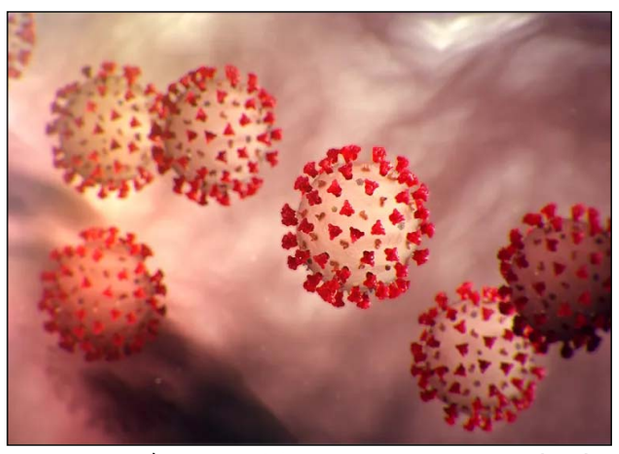

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,35,506 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,31,47,388 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 1746 नये मामले आये हैं। पिछले 32 दिनों में लगातार नये मामले में गिरावट आ रही है। प्रदेश में अब तक कुल 4,18,685 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 91.64 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश में 31,495 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। एक्टिव केसों में 54 प्रतिशत की कमी आयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पाजिटिव दर लगातार घट रहा है। विगत मार्च से 31 मई तक पाजिटिव दर 3.3 प्रतिशत, जून में 4 प्रतिशत, जुलाई में 4.2 प्रतिशत, अगस्त में 4.6 प्रतिशत, सितम्बर में 4 प्रतिशत व अक्टूबर में अब तक 2.1 प्रतिशत है। होम आइसोलेशन में 14,665 लोग हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 2,55,287 लोग होम आइसोलेशन की सुविधा प्राप्त करते हुए 2,40,522 लोगों ने अपने होम आइसोलेशन की अवधि पूर्ण कर ली है।

उन्होंने बताया कि निजी चिकित्सालयों में 2561 लोग ईलाज करा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 2,73,73,939 घरों के 13,49,23,116 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के नॉन कोविड अस्पतालों में पोस्ट कोविड केयर डेस्क बनाया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को कोविड संक्रमण के उपचार के बाद किसी प्रकार की समस्या महसूस होती है। तो वह पोस्ट कोविड केयर डेस्क पर अपना इलाज व सलाह प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 01-15 सितम्बर तक कोविड-19 के संक्रमण से स्वास्थ्य हुये लगभग 80 हजार लोगों का टेलीफेनिक सर्वे कल से प्रारम्भ किया जा रहा है। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा सम्बन्धित व्यक्ति से जानकारी लेते हुए आफ्टर कोविड समस्याओं के बारे में जानकारी ली जायेगी।

उत्तर प्रदेश ने समय से पूर्व ही अपना वार्षिक लक्ष्य हासिल किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश द्वारा मनरेगा के तहत अब तक लक्ष्य के सापेक्ष 26.14 करोड़ मानव दिवसों का सृजन किया गया है, जो एक रिकार्ड है।यूपी ने वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में ही अपना वार्षिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। कुल 2064636 अकुशल श्रमिकों को विभिन्न कार्यो से जोड़ा गया तथा 9901735 कुल रोजगार सृजित हुआ। कोरोना महामारी की चुनौतियां तथा काम के देर से आरम्भ होने के परिप्रेक्ष्य में यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह जानकारी आज यहां ग्राम्य विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि मनरेगा के तहत, राज्य की 50856 ग्राम पंचायतों में काम शुरू किया गया था और गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत प्रदेश में लौटे प्रवासियों को विभिन्न कार्यो में जोड़ा गया है।

सिमट रही है इमरान खान की पारी

पाकिस्तान में इन दिनों सियासी उथल-पथल मची हुई है. पाक प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए हालात ठीक नजर नहीं आ रहे हैं और संकेत हैं कि उनकी राजनीतिक पारी समाप्ति की ओर है. पाकिस्तान में सरकार और सेना दोनों के खिलाफ विपक्षी पार्टियां लामबंद हो गयी हैं और उन्हें भारी जनसमर्थन हासिल हो रहा है. पाकिस्तान में सेना का इतना खौफ रहा है कि राजनेता सेना पर सवाल उठाने से डरते हैं, लेकिन पाक इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब विपक्षी नेता खुलेआम सेना प्रमुख जनरल बाजवा को चुनौती देते नजर आ रहे हैं. राजनेता साफ तौर से कह रहे हैं कि देश के राजनीतिक और सरकारी मामलों में सेना का दखल बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. वे 2018 में हुए आम चुनावों में धांधली के लिए सेना को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं. 11 विपक्षी पार्टियों ने पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट का गठन किया है. इसमें पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो-जरदारी की पार्टी पीपीपी भी शामिल हैं और इस मोर्चे का नेतृत्व दक्षिणपंथी दल जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख फजलुर रहमान कर रहे हैं. ये पार्टियां इमरान सरकार से इस्तीफे की मांग कर रही हैं. मोर्चे के नेता फजलुर रहमान का कहना है कि इमरान सरकार के दिन लद चुके हैं. यह साल खत्म होते-होते सरकार गिर जायेगी. विपक्ष की इस महारैली में जुटी भारी भीड़ निश्चित रूप से प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल बाजवा के लिए खतरे की घंटी है. विशेषज्ञों का मानना है कि इमरान की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है और जनवरी तक कोई बड़ा उलटफेर हो सकता है. इस महारैली को नवाज शरीफ ने लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया. उन्होंने सेना पर सीधे निशाना साधा और सेना प्रमुख जनरल बाजवा पर 2017 में उनकी सरकार का तख्ता पलटने और उसके बाद इमरान खान को प्रधानमंत्री बनाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई इमरान खान से नहीं है, बल्कि उनसे है, जिन्होंने चुनाव में धांधली कर इमरान खान जैसे नाकाबिल शख्स को कुर्सी पर बैठाया और मुल्क को बर्बाद कर दिया. उन्होंने कहा, इमरान सरकार इलेक्टेड नहीं, सलेक्टेड सरकार है. विपक्ष की प्राथमिकता इस सलेक्टेड सरकार को हटाना है. समानांतर सरकार हमारी सारी बुराइयों और परेशानियों की जड़ है. यह बहुत जरूरी है कि हमारी सेना हमारी सरकार से दूर रहे. सरकार संविधान के अनुसार चले और सेना लोगों की पसंद में दखल न दे. नवाज शरीफ जब प्रधानमंत्री थे, तो उन्होंने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं. उनका बयान सार्वजनिक होने के बाद पाक सेना उनके खिलाफ हो गयी थी और उसने उन्हें जेल तक पहुंचा दिया गया था. नवाज शरीफ को 2017 में पाक सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त कर दिया था और उन पर देश द्रोह का मामला भी चल रहा है. वे इलाज के लिए पिछले साल नवंबर से लंदन में हैं. इमरान खान को सत्ता में आये दो साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन वे हर मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम रहे हैं. उनके कार्यकाल में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खस्ता हो गयी है. पाकिस्तान में सेना का सत्ता पर नियंत्रण कोई नयी बात नहीं है. वहां सेना का साम्राज्य चलता है. वह उद्योग धंधे चलाती है. प्रोपर्टी के धंधे में उसकी खासी दिलचस्पी है. उसकी अपनी अलग अदालतें हैं. सेना का एक फौजी ट्रस्ट है, जिसके पास करोड़ों की संपदा है. सेना के सारे काम-धंधों को जांच पड़ताल के दायरे से बाहर रखा गया है. कोई उन पर सवाल नहीं उठा सकता है. इधर कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट का फायदा उठाते हुए पाक सेना ने सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है. इमरान खान पहले कठपुतली प्रधानमंत्री थे और अब वे मात्र मुखौटा प्रधानमंत्री रह गये हैं. पाकिस्तान में सेना इतनी ताकतवर है कि वहां अदालतें सेना के इशारे पर फैसले सुनाती हैं, अन्यथा जजों को ही रुखसत कर दिया जाता है. अब तक पाकिस्तान में जितने भी तख्ता पलट हुए हैं, उन सभी को वहां के सुप्रीम कोर्ट ने उचित ठहराया है. कुछ समय पहले अमेरिकी मीडिया एजेंसी ब्लूमबर्ग ने पाकिस्तान के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें बताया गया था कि सेना के वफादार माने जाने वाले दर्जनभर लोग इमरान खान सरकार में प्रमुख पदों पर काबिज हो गये हैं. इनमें से अधिकांश पूर्व सैन्य अधिकारी हैं. ये उड्डयन, बिजली और स्वास्थ्य जैसे अहम विभागों में नियुक्त किये गये हैं. इनमें से कई परवेज मुशर्रफ की सरकार के भी हिस्सा थे. हालांकि इमरान खान बार-बार सफाई दे रहे हैं कि सत्ता उनके पास है और सेना उनके साथ खड़ी है, लेकिन हकीकत यह है कि वे केवल मुखौटा भर रह गये हैं. दरअसल, कोरोनो के कारण पाकिस्तान में आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. पाकिस्तान में आर्थिक विकास दर शून्य से नीचे पहुंच गयी है. कोरोना के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं. दक्षिण एशिया में भारत के बाद सबसे अधिक कोरोना संक्रमित पाकिस्तान में हैं. इस संकट का सेना ने भरपूर फायदा उठाया है. हालांकि पाकिस्तान के लिए ऐसी परिस्थिति कोई नयी नहीं है. वहां प्रधानमंत्री आते-जाते रहते हैं. अक्सर तख्ता पलट सेना करती आयी है. सेना प्रमुख तख्ता पलट करने के बाद नयी पार्टी गठित कर अपने आप पर लोकतांत्रिक मुलम्मा चढ़ा लेते हैं. आपने गौर किया हो, जब भी किसी राजनेता ने भारत के साथ रिश्ते सामान्य करने की कोशिश की है, सेना ने उसमें हमेशा पलीता लगाया है. पाकिस्तान में सेना आतंकवादियों को नियंत्रित करती है और ऐसे मौकों पर वह उनका इस्तेमाल करती है ताकि ऐसी कोई पहल कामयाब न हो पाए. यह तथ्य जगजाहिर है कि पिछले आम चुनाव में पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत लगाकर इमरान खान को जितवाया था. चुनाव प्रचार से लेकर मतदान और मतगणना तक सारी व्यवस्था को सेना ने अपने नियंत्रण में रखा था. पाक सुरक्षा एजेंसियां ने चुनावी कवरेज को प्रभावित करने के लिए लगातार अभियान चलाया. जो भी पत्रकार, चौनल अथवा अखबार नवाज शरीफ के पक्ष में खड़ा नजर आया, खुफिया एजेंसियां ने उन्हें निशाना बनाया था. पाकिस्तान के सबसे बड़े टीवी प्रसारक जियो टीवी को हफ्तों तक आंशिक रूप से ऑफ एयर रहना पड़ा था. पाकिस्तान के जाने माने अखबार डॉन का अरसे तक प्रसार प्रभावित रहा, क्योंकि उसने नवाज शरीफ का पक्ष लिया था. चुनाव से ठीक पहले भ्रष्टाचार के एक मामले में नवाज शरीफ को 10 साल की जेल की सजा सुना दी गयी थी, ताकि इमरान खान सत्ता के मजबूत दावेदार बनकर उभर सकें. मौजूदा संक्रमण काल में पाकिस्तान का घटनाक्रम चिंतित करने वाला है. पुरानी कहावत है कि आप अपना मित्र बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं. पाकिस्तान हमारा पड़ोसी मुल्क है।

सम्पादकीय

जरूरी है लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ना

लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र बढ़ाने को लेकर तीन संदर्भ में बात होनी चाहिए. पहला, न्यूनतम आयु को लेकर पहली बार यह प्रश्न उठा था कि लड़के और लड़कियों के विवाह की निर्धारित आयु में अंतर क्यों है? इसे लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गयी और कहा गया कि यह समानता के संवैधानिक अधिकार के विरुद्ध है. दूसरी बात, मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार, लड़की के रजस्वला हो जाने के बाद उसकी विवाह की अनुमति है. यह गुजरात उच्च न्यायालय का 2014 का निर्णय है. तीसरी बात, विवाह की न्यूनतम उम्र बढ़ाने की बात इसलिए उठी है, क्योंकि वैज्ञानिक रूप से यह प्रमाणित हो चुका है कि कम आयु में मां बनने पर लड़की के जीवन को खतरा रहता है.

कम आयु में विवाह होने पर लड़कियां घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं, क्योंकि उनसे शिक्षा का अधिकार छीन लिया जाता है. जब लड़कियां शिक्षित नहीं होंगी, तो आर्थिक तौर पर स्वावलंबी भी नहीं होंगी. कम आयु में विवाह होने पर लड़कियों में आत्मविश्वास की भी कमी हो जाती है. आत्मविश्वास न होने पर मनुष्य आत्मसम्मान के साथ जीवित नहीं रह पाता है. व्यक्ति की आवश्यकता केवल रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं है, बल्कि उसके आत्मसम्मान का बने रहना भी आवश्यक है. आंकड़ों के अनुसार, हमारे देश में 27 प्रतिशत लड़कियों का विवाह किशोरवय में हो जाता है. लगभग सात प्रतिशत लड़कियों की शादी 15 वर्ष से पहले हो जाती है. तो, जो शेष लड़कियां हैं, न्यूनतम आयु बढ़ने के बाद कम से कम उनकी शादी तो 18 वर्ष के बाद होगी. यदि ऐसा होता है, तो उनके उच्च शिक्षित होने की संभावना बढ़ जायेगी. उनके साथ होनेवाले दुर्व्यवहार में कमी आयेगी, क्योंकि 18 से 21 वर्ष की समयावधि में व्यक्ति किशोरावस्था को पार कर युवावस्था की तरफ बढ़ और मानसिक तौर पर परिपक्व हो रहा होता है. वह शारीरिक और मानसिक तौर पर अपने को अधिक मजबूत महसूस करता है. उसकी निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ चुकी होती है, जबकि यदि एक लड़की कम आयु में मां बनती है, तो उसके जीवन जीने की संभावना कम हो जाती है. यदि वह जीवित रहती भी है, तो उसका बच्चा कुपोषित होता है. ऐसी बच्चियां घरेलू हिंसा का बहुत अधिक शिकार होती हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े भी कहते हैं कि किशोरावस्था में एक लड़की के गर्भवती होने पर उसमें खून की कमी, एचआइवी जैसी बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती हैं. कम आयु में विवाह और प्रसव होने के बाद लड़कियों के अवसाद जैसे मानसिक विकार से ग्रस्त होने की भी बहुत ज्यादा संभावना रहती है। विवाह की न्यूनतम आयु बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य बेटियों को न केवल शिक्षित होने का मौका देना है, बल्कि बच्चे कुपोषित जन्म न लें, इस पर भी ध्यान रखना है. किशोरवय में जब लड़की मां बनती है, तो उसके बच्चे के जन्म लेने की संभावना भी कम हो जाती है, क्योंकि उसमें रक्त अल्पता होती है. यदि वह बच भी जाता है, तो कुपोषित रहता है और कुपोषित शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास संभव नहीं है. दूसरी बात, एक शिक्षित मां ही अपने बच्चे के लिए शिक्षा के द्वार खोल सकती है. शिक्षा का अभाव सभी प्रकार की रूढ़िवादिता को जन्म देता है. शिक्षा हमें भ्रम, तर्क विहीनता, अंधविश्वास और रूढ़ियों से मुक्ति दिलाता है. हमारे भीतर तर्कशीलता का भाव उत्पन्न करता है. मां यदि स्वयं शिक्षित नहीं है और आत्मसम्मान की स्वयं रक्षा नहीं कर पा रही है, तो वह कैसे अपने बच्चे को सर्वांगीण नागरिक बना सकेगी. इस स्थिति में देश का विकास ही अवरुद्ध हो जाता है. मामला केवल इतना नहीं है कि विवाह की न्यूनतम आयु बढ़ाने से समाज से रूढ़िवादिता हटेगी, बल्कि यह एक स्वस्थ भावी पीढ़ी के निर्माण और राष्ट्र के विकास के लिए भी जरूरी है. इस दिशा में ठोस व मजबूत पहल की जरूरत है. आज जब हम लैंगिक समानता की बात कर रहे हैं, तो बेटियों के जीवन को बचाने की बात भी करनी जरूरी है. जब उनका जीवन बचेगा, तभी तो लैंगिक समानता की बात उठेगी. जब लड़कियां आत्मसम्मान को बचा कर रख पायेंगी, अपने अधिकारों के लिए भी लड़ पायेंगी. आप बेटियों को तमाम तरह के अधिकार दे दीजिए, लेकिन जब उन्हें पाने की समझ ही उनके भीतर पैदा नहीं होगी, तो वे अपने अधिकारों के लिए कैसे लड़ पायेंगी? जब मां अपने अधिकारों के प्रति सजग नहीं होगी, तो अपने बच्चों को कैसे सजग बना पायेगी? समाज में जब भी परिवर्तन होता है, तो उसका विरोध होता है. इस बदलाव का भी विरोध होना तय है. विरोध का स्वरूप परिवर्तित करने और उसे सकारात्मक दिशा देने के लिए आमजन के मन में जो संशय है, उसे दूर करना आवश्यक है. किशोरवय में ब्याह के नुकसान के बारे में लोगों को जानकारी देने के भी सरकारी प्रयास होने चाहिए. स्कूलों में भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया जाना चाहिए. इसके अलावा वर्ष में दो या तीन दिन निश्चित कर अभिभावकों को भी इसके विविध पहलुओं से अवगत कराने का प्रयास किया जाना चाहिए. ऐसे कदमों से यकीनन किशोरवय में विवाह में कमी आयेगी क्योंकि ऐसे विवाह करने का मूल मंतव्य बेटियों को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि अपने दायित्वों से मुक्ति पाना है.

फिरकापरस्त, भारतीय संविधान और मुस्लिम अल्पसंख्यक

एक वर्ष पूर्व (अक्टूबर 10, 2019) आरएसस के मुखिया मोहन भागवत ने कहा था कि भारत में रहने वाले मुसलमान हिन्दुओं के कारण दुनिया में सर्वाधिक सुखी हैं। अब वे एक कदम आगे बढ़कर कह रहे हैं कि यदि मुसलमान कहीं संतुष्ट हैं तो केवल भारत में। वे इसके आगे एक बात और कहते हैं, यदि दुनिया में ऐसा कोई देश है जिसमें वह विदेशी धर्म-जिसके मानने वालों ने वहां शासन किया हो- अब फल-फूल रहा है तो वह भारत है।

यही नहीं, वे आगे कहते हैं, हमारा संविधान यह नहीं कहता कि सिर्फ हिन्दू यहां रह सकते हैं या यहां सिर्फ हिन्दुओं की बात सुनी जाएगी और यदि आपको यहां रहना है तो हिन्दुओं की उच्चता को स्वीकार कर रहना होगा। हमने उन्हें रहने के लिए जगह दी। हमारे देश की यही प्रकृति है और इस प्रकृति का नाम हिन्दू है। एक इतिहासविद का मुखौटा पहनते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अकबर के विरूद्ध लड़े गए युद्ध में राणा प्रताप की सेना में मुसलमान भी शामिल थे। यह इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि जब भी भारत की संस्कृति पर हमला हुआ तब सभी धर्मों के मानने वालों ने एक होकर उसका मुकाबला किया। उन्होंने राम मंदिर को हमारे देश के राष्ट्रीय मूल्यों और चरित्र का प्रतीक बताया। ये सब बातें आरएसएस, जो देश के अन्दर और देश के बाहर भी हिन्दू सम्प्रदायवाद का संरक्षक है, की आलोचना को भटकाने का प्रयास हैं।

पिछले कई दशकों से मुसलमानों की स्थिति में लगातार गिरावट आ रही है। इस गिरावट के लिए राम मंदिर आंदोलन के दौरान निकाली गई यात्रा, गौमांस के नाम पर लिंचिंग, लव जेहाद के नाम पर दी जा रही धमकियां और घर वापसी का अभियान जिम्मेदार हैं। अभी हाल में लोकतांत्रिक तरीके से चलाए जा रहे शाहीन बाग आंदोलन का उपयोग मुसलमानों को आतंकित करने के लिए किया गया। इस आंदोलन के बाद हुई हिंसा में बड़ी संख्या में मुसलमानों की जानें गईं और उनके धार्मिक स्थलों और संपत्ति को भारी नुकसान हुआ। साम्प्रदायिकता को आज कमजोर वर्गों को पीड़ा पहुंचाने वाली विचारधारा के रूप में देखा जा रहा है और इसलिए अब श्री भागवत भारतीय संविधान को याद कर रहे हैं। भागवत उस संविधान को याद कर रहे हैं जिसकी संघ परिवार के नेताओं ने हमेशा निंदा की है और उसे हमारे देश के लिए इसलिए अनुपयुक्त बताया है क्योंकि उसका आधार विदेशी मूल्य है। इसके विपरीत, शाहीन बाग आंदोलन का मुख्य आधार भारतीय संविधान की उद्देशिका थी। क्या इस बात से इंकार किया जा सकता है कि भारतीय संविधान बहुवादी और लोकतंत्रात्मक भारत चाहता है जबकि आरएसएस भारत को एक हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहता है। भारतीय संविधान की नजर में कोई धर्म न तो विदेशी और न देशी। सभी धर्म सर्वव्यापी है और इसलिए संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म को मानने और उसका प्रचार करने का अधिकार देता है। हमारा संविधान हमें यह आजादी भी देता है कि कि हम किसी भी धर्म को न मानें। आरएसएस के सरसंघचालक शायद यह नहीं जानते कि आजादी के आंदोलन के दौरान राष्ट्रीयता और धर्म के बीच कोई संबंध नहीं था। हमारे देश के आजादी के आंदोलन में विभिन्न धर्मों को मानने वालों और किसी भी धर्म को न मानने वालों ने कंधे से कन्धा मिलाकर भाग लिया था। शायद सरसंघचालक यह भी नहीं जानते होंगे कि दक्षिण-पूर्व एशिया के अनेक देशों में बुद्ध धर्म, वहां का मुख्य धर्म है। बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भारत में हुई थी परंतु आज वह अन्य देशों का मुख्य धर्म है। भागवत के संगठन का मुख्य वैचारिक आधार इतिहास की साम्प्रदायिक विवेचना है। जब वे यह कहते हैं कि भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए मुसलमानों ने अकबर के विरूद्ध महाराणा प्रताप का साथ दिया था तब वे इतिहास की विकृत व्याख्या की पराकाष्ठा कर रहे होते हैं। राणा प्रताप किस तरह भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते थे? वे तो केवल मेवाड़ के राजा थे। अकबर और राणा प्रताप के बीच हुए युद्ध का भारतीय संस्कृति से क्या लेना-देना है? अकबर क्या सभी मुस्लिम राजा, जिन्होंने इस देश पर शासन किया, वे इस देश का अभिन्न भाग बन गए। विशेषकर अकबर तो विभिन्न धार्मिक आस्थाओं वाले समाज के हिमायती थे और शायद इसलिए उन्होंने सुलह-ए-कुल अर्थात विभिन्न धर्मों की समरसता के सिद्धांत का अनुसरण किया। हाकिम खान सूर एक मुसलमान होते हुए भी राणा प्रताप की सेना का हिस्सा थे जो भारतीय संस्कृति की रक्षा कर रही थी! फिर राजा मानसिंह, जो अकबर की फौज का नेतृत्व कर रहे थे, किसकी रक्षा कर रहे थे?

इतिहास की संघी विवेचना के अनुसार, राणा प्रताप और शिवाजी हिन्दू राष्ट्रवाद के हीरो हैं। शायद अब उन्हें यह पता चला है कि इन दोनों राजाओं की फौज में मुसलमान थे और उनके प्रतिद्वंद्वी मुस्लिम राजाओं की फौज में हिन्दू योद्धा थे। सच पूछा जाए तो उनके बीच हुए युद्धों का भारतीय संस्कृति की रक्षा से कोई लेना-देना नहीं था। वास्तविकता तो यह है कि इस दौरान भारतीय संस्कृति खूब फली-फूली जिसका उल्लेख करते हुए जवाहरलाल नेहरू ने उसे गंगा-जमुनी तहजीब बताया है (नेहरु के अनुसार यह दौर बहुलता एवं समन्वय का शिखर था)। इस दरम्यान भक्ति और सूफी परंपराओं की जड़ें मजबूत हुईं।

ये दोनों परंपराएं जीवन के मानवीय मूल्यों पर जोर देती हैं। जहां तक राम मंदिर को राष्ट्रीय मूल्यों और संस्कृति का प्रतीक बताए जाने का सवाल है, हमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर की रिडल्स ऑफ राम एंड कृष्ण को याद करना चाहिए। शूद्र शंबूक की हत्या तब करने जब वह तपस्या कर रहा था, बाली को छिप कर मारने और अपनी गर्भवती पत्नी को सिर्फ संदेह के आधार पर घर से निकलने के लिए पेरियार ने राम की जबरदस्त आलोचना की है। भारतीय राष्ट्रवाद के वास्तविक प्रतीक आजादी का आंदोलन और भारतीय संविधान हैं। भारतीय संविधान धर्म, जाति, क्षेत्र एवं भाषा के भेद के बिना सभी को समान नागरिक अधिकार देता है। असली समस्या यह है कि साम्प्रदायिक चिंतन के अनुसार भारत एक हिन्दू राष्ट्र है और ईसाई व मुसलमान विदेशी हैं। आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक गोलवलकर अपनी पुस्तक बंच ऑफ थाट्स में इन्हें देश का आंतरिक शत्रु मानते हैं। यह कहना कि भारतीय मुसलमान, हिन्दुओं के कारण दुनिया में सर्वाधिक प्रसन्न और संतुष्ट हैं, मजाक के अलावा और कुछ नहीं है। दिन-प्रतिदिन उनके विरूद्ध बढ़ती हिंसा, उनका अपने मोहल्लों में सिमटते जाना और उनके राजनैतिक प्रतिनिधित्व में सतत कमी दूसरी ही कहानी कहते हैं। इस सबके चलते मीडिया का एक हिस्सा मुस्लिम समुदाय को कोरोना जेहाद करने वाला कोरोना बम बताता है और इसी तारतम्य में सुदर्शन चौनल सिविल सर्विसेज में उनके चार प्रतिशत प्रतिनिधित्व को जामिया जिहाद और भारत की सिविल सर्विस पर कब्जा जमाने का षड़यंत्र बताता है! भारतीय मुसलमानों को दुनिया में सबसे सुखी और संतुष्ट बताना मुसीबतों से घिरे इस समुदाय के घावों पर नमक रगड़ने जैसा है। यह समुदाय संवैधानिक मूल्यों के आधार पर अपने जीवन जीने का प्रयास कर रहा है, जैसा कि शाहीन बाग आन्दोलन से जाहिर है।

संविधान की शपथ का मजाक बनाते लाटसाहब

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने, जो किसी समय उत्तराखण्ड के भाजपाई मुख्यमंत्री हुआ करते थे, हाल के वर्षों तक भाजपा की गठबंधन सहयोगी रही शिवसेना की विपक्षी गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राज्य में राजधानी मुम्बई के मंदिर खोलने के लिए लिखी चिट्ठी में वाकई हैरत में डालने वाली भाषा और भावों का प्रयोग किया है। इस चिट्ठी में उन्होंने जिस बदनीयती से ठाकरे से पूछा है कि क्या वे हिन्दुत्व छोड़कर अचानक सेकुलर हो गये हैं, उससे यह सवाल और पेंचीदा हो गया है कि क्या भाजपा सरकारों के नायक राजनेता सेकुलर नहीं हैं और उनके द्वारा ली गई संविधान की शपथ केवल शोभा या मजाक की वस्तु रह गई है? हम जानते हैं कि विधायकों से लेकर राष्ट्रपतियों तक को संविधान के प्रति निष्ठा की यह शपथ लेनी पड़ती है और माना जाता है कि वह दिखावे मात्र के लिए नहीं होती। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि ठाकरे से यह पूछने वाले कि मुम्बई में उन मंदिरों के दरवाजे क्यों बन्द हैं, जिन्हें खोले जाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता आन्दोलन कर रहे हैं, महाराष्ट्र के लाटसाहब (राज्यपाल पद का गुलामी के दौर का नाम) को यह सच पता ही नहीं है। बहरहाल, कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के प्रयोग में महाराष्ट्र ही नहीं, देश भर में धर्मस्थलों को बंद कर दिया गया था, क्योंकि उनमें जुटने वाली भीड़ों से संक्रमण बढ़ने की आशंका थी, जिसे रोकने का कोई और तात्कालिक उपाय दिखाई नहीं दे रहा था। बाद में लॉकडाउन हटा या उसमें ढील दी गई तो ये बन्द धर्मस्थल खोले भी गये-महाराष्ट्र में भी, लेकिन इनमें मुम्बई के मन्दिर शामिल नहीं हैं। राज्यपाल के इस सम्बन्धी सवाल के तुर्की-ब-तुर्की जवाब में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लिखा है कि उन्हें किसी से हिन्दुत्व की परिभाषा नहीं पूछनी और राज्यपाल से तो एकदम से नहीं। उनके अनुसार फिलहाल, राज्य में कोरोना का विस्तार रोकने और कानून व्यवस्था कायम रखने का दायित्व मेरी सरकार पर है। स्वाभाविक ही उसे इस सम्बंधी निर्णयों का संवैधानिक अधिकार भी है। भगत सिंह कोश्यारी के निजी विश्वास और विचार जो भी हों, राज्यपाल के तौर पर उन्हें संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार ही राज्य का संचालन करने का अधिकार है। इसीलिए शिवसेना के वर्तमान गठबंधन की घटक राष्ट्रवादी कांग्रेस के सुप्रीमो शरद पवार, जो कभी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं, प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर कोश्यारी की चिट्ठी में प्रयुक्त भाषा व शब्दों पर आपत्ति और इस बात पर हैरत जताई है कि कोई राज्यपाल इस सीमा तक जाकर मुख्यमंत्री को इस प्रकार की चिट्ठियां लिखने का साहस कर सकता है! उनके अनुसार ऐसा इसलिए संभव हुआ है क्योंकि कई केन्द्रीय मंत्री भी देश में श्हिन्दुत्वश् की स्थापना के लिए प्रयत्नशील हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख से निर्देश ग्रहण करते हैं कि ऐसे प्रयत्नों में तीव्रता कैसे लाई जाये? हालांकि मोदी सरकार बनने के बाद भारत के संविधान, जनता के मूल अधिकार और उनसे सम्बन्धित मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, न ही प्रस्तावित है। जहां तक सेकुलरिज्म का सम्बन्ध है, उसे आमतौर पर सर्वधर्मसम्भाव के रूप में देखा जाता है और उसमें यकीन देश के हर नागरिक का कर्तव्य माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अपने कई निर्णयों में इसकी आवश्यकता और अनिवार्यता जता चुका है। जहां भी इसका अवसर आया है, उसने इसकी रक्षा की वकालत भी की है।

काश, कोश्यारी समझते कि महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद संभालने से पहले उन्होंने संविधान में निष्ठा की जो शपथ ली थी, सर्वधर्मसम्भाव कहें या सेकुलरिज्म उसका प्रमुख अंग है। तब वे अपने पद की सीमाओं से परे जाकर अपने ही द्वारा नियुक्त मुख्यमंत्री को हिन्दुत्व के समर्थक होने की याद नहीं दिलाते। न ही उन्हें अचानक सेकुलर हो जाने का ताना मारते। इस तरह तो कतई नहीं, जिससे लगे कि सेकुलरिज्म या सर्वधर्मसम्भाव की भावना में विश्वास रखना घृणित है। सवाल है कि कोश्यारी जैसे संविधान के श्रखवालेश् संवैधानिक मूल्यों के प्रति इस प्रकार की दुर्भावना का विस्तार करेंगे तो क्या उसे संवैधानिक निष्ठाओं की रक्षा के उनके प्रयत्नों में गिना और उसका सम्मान किया जायेगा? दूसरे नागरिकों की तरह इन रखवालों को भी व्यक्तिगत धर्म, मान्यता या विश्वास की आजादी हो सकती है, लेकिन जब वे ऐसी दुर्भावना फैलाने के लिए संवैधानिक पद धारण करते वक्त ली गई संविधान में निष्ठा की शपथ की गरिमा के प्रति अचेत हो जायें तो यही माना जायेगा कि उनकी उक्त शपथ वास्तव में एक मजाक थी। इसीलिए वे उस पर अमल की आवश्यकता नहीं समझ रहे। यह भी नहीं कि संवैधानिक पद धारण करने वाला व्यक्ति बिना धार्मिक या साम्प्रदायिक भेदभाव के सभी नागरिकों का हो जाता है। इसलिए उससे किसी भी तरह के भेदभाव के बजाय सबके प्रति समान दृष्टि रखने की अपेक्षा की जाती है। उसे अपने दायित्व निर्वाह के क्रम में लिखी गई चिट्ठियों में निजी विचारों के नाम पर भी ऐसा कुछ लिखने की छूट नहीं मिल सकती, जिससे उसकी संवैधानिक निष्ठा पर ही सवाल उठने लगें। यह छूट वह तभी पा सकता है, जब अपने सारे संवैधानिक दायित्वों से मुक्त हो जाए। इन दायित्वों के रहते तो उसके किसी राजनीतिक दल की सदस्यता लेने तक पर पाबन्दी है। दूसरे पहलू पर जायें तो कोश्यारी के पितृसंगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अपनी अलग विचारधारा है, जिसमें वह अपनी स्थापना के वक्त ही घोषणा कर चुका है कि हिन्दू और मुस्लिम दो अलग-अलग विचारों और मान्यताओं वाली राष्ट्रीयताएं हैं और दोनों साथ रह ही नहीं सकतीं। उसकी इस घोषणा के आठ साल बाद मुस्लिम लीग ने उसी जैसे विचारों व तर्कों के आधार पर देश के विभाजन और अलग पाकिस्तान की मांग की, लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद मोहम्मद अली जिन्ना ने उसकी केन्द्रीय असेम्बली को सम्बोधित किया तो सारे अलगावों को नकारते हुए कहा कि नये देश में न किसी से भेदभाव किया जायेगा, न ही धार्मिक आधार पर किसी को अपना देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जायेगा। लेकिन भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी पाकिस्तान यात्रा से लौटने के बाद जिन्ना की प्रशंसा में यही बात कह दी तो भाजपा के कई नेता उखड़ गये और उन्हें पाकिस्तान समर्थक कहकर मांग करने लगे कि आडवाणी इसके लिए माफी मांगें। यहां याद कर सकते हैं कि भाजपा का पूर्वावतार जनसंघ पाकिस्तान को समाप्त कर भारत को अखण्ड करने की मांग किया करता था।

अभिनव शुक्ला पर लगा पवित्रा पूनिया का टॉप खींचने का आरोप

नई दिल्ली। बिग बॉस के घर में तकरार बढ़ती जा रही है। रूबिना दिलैक शुरुआत से ही एग्रेसिव दिख रही हैं। अब वह बिल्कुल खुलकर अपना और अपने पति अभिनव शुक्ला का पक्ष रख रही हैं। लेटेस्ट एपिसोड यानि वीकेंड के वार में भी रूबिना का गुस्सा देखने को मिला। उन्होंने ना सिर्फ सलमान ख़ान से बहस की, बल्कि एजाज ख़ान को भी खरी-खोटी सुनाई। वीकेंड के वार एपिसोड में प्रतिभागियों को कटघरे में खड़ा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों सवाल-जवाब भी किया गया। एजाज से पूछा गया कि उन्होंने रूबिना को कटघरे में क्यों बुलाया। इस पर एजाज ख़ान ने बताया कि उन्हें लगता है कि रूबिना को पर्सनल प्रॉब्लम है, जिस वजह से वह दूरी बनाए रखे हैं। एजाज ने आगे कहा कि अभिनव उनका भाई है और वे हमेशा दोनों से दोस्ती चाहते हैं। लेकिन उन्हें ऐसी वाइब मिलती है कि वह (रुबिना) कम्फर्टेबल नहीं हैं। रूबिना ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि वह अनकम्फर्टेबल महसूस करती हैं, जब वह टास्क के दौरान उनकी अलग और इन्टिमेंडेट साइड देखती हैं। रूबिना ने कहा एजाज टास्क जीतने के लिए सारी हदें पार कर देंगे। बात तब बिगड़ी जब एजाज ने रूबिना के पति अभिनव शुक्ला पर टास्क के दौरान पवित्रा पूनिया का टॉप खींचने का आरोप लगया। इस पर रूबिना भड़क गईं। उन्होंने कहा कि मेरी पति पर आपने ये कैसा लांछन लगाया है। इसके अलावा रूबिना ने एजाज से कहा कि आपने इज्जत गंवा चुके हैं। बता दें, इसके अलावा वीकेंड का वार के एपिसोड में रूबिना की झड़प सलमान ख़ान से भी हुई। एक टास्क का विरोध करते हुए रूबिना सलमान ख़ान से भिड़ गईं। इस पर सलमान ख़ान काफी तीखे लहजे में रूबिना को चेतावनी दी।

शूटिंग के वक्त आमिर खान को लगी चोट, पेनकिलर लेकर फिर शुरू कर दिया काम

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने भी कोरोना वायरस अनलॉक के बाद से अपनी अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा पर काम शुरू कर दिया है। फिल्म शूटिंग समय पर पूरी ना होने की वजह से फिल्म की रिलीज डेट भी काफी आगे बढ़ गई है। हाल ही में फिल्म की एक्ट्रेस करीना कपूर ने भी शूटिंग के बारे में बताया था। हालांकि, अब फिल्म के सेट से एक और खबर आ रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि आमिर खान को शूटिंग के दौरान चोट लग गई है। इसके बाद आमिर खान पेन किलर लेकर अपनी शूटिंग पूरी कर रहे हैं। कुछ एक्शन सीन शूट करते हुए आमिर खान को पसली में चोट आई है। हालांकि, उन्होंने फिल्म की शूटिंग नहीं रोकी है। एक्टर सिर्फ थोड़ी देर के लिए रुके और अपनी चोट को देखा। इसके बाद उन्होंने पेन किलर लेने के बाद शूटिंग शुरू कर दी। अब आमिर खान के इस डेडिकेशन की तारीफ हो रही है। दरअसल, इस वक्त सभी फिल्म मेकर जल्द से जल्द शूटिंग खत्म करना चाह रहे हैं। बताया जा रहा है कि आमिर खान यह जानते हैं कि पूरे शूटिंग शेड्यूल के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। ऐसे में आमिर अपनी तरह से कोई देरी नहीं करना चाहते हैं और उन्होंने उसवक्त पेन किलर लेकर ही अपना काम उचित समझा। एलएससी टीम द्वारा एक ठीक तरह से शूटिंग अनुभव के लिए सभी आवश्यक सावधानियां और सुरक्षा उपायों का पालन किया जा रहा है। वहीं, मिड-डे में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेत्री करीना कपूर खान ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। करीना सितंबर के आखिरी सप्ताह में शूटिंग के बचे हुए हिस्सों को पूरा करने के लिए दिल्ली रवाना हुई थीं। अब उन्होंने अपना काम ख़त्म कर लिया है। अब आमिर खान दिल्ली में ही कुछ सीन शूट कर रहे हैं। करीना ने सभी आवश्यक नियमों का पालन करते हुए शूटिंग की।

लोगों की वजह से पाकिस्तान छोड़ना चाहती हैं टिकटॉक स्टार जन्नत मिजा

नई दिल्ली। ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल और बिग बिलियन डेज सेल के बीच अमेजन और फ्लिपकार्ट को झटका लगा है। सरकार ने फ्लिपकार्ट तथा अमेजन को नोटिस जारी किया है। ई-वाणिज्य कंपनियों के मंच से बिकने वाले सामानों पर उनके मूल उत्पत्ति वाले देश की जानकारी तथा अन्य जरूरी सूचनायें नहीं दिए जाने को लेकर सरकार ने कदम उठाया है।ये नोटिस उपभोक्ता मामले, के लिये उपयोग होने वाले डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर सभी जरूरी जानकारी दी जाए। नोटिस के अनुसार दोनों कंपनियों ने जरूरी सूचना नहीं दी और कानून का उल्लंघन किया। ई-वाणिज्य कंपनियों की वेबसाइट पर विज्ञापनों का जिक्र करते हुए नोटिस में कहा गया है, विज्ञापनों की जांच में पाया गया कि जो जरूरी घोषणाएं हैं, वे नहीं की जा रही हैं।नियम के तहत ई-वाणिज्य कंपनियों को अनिवार्य रूप से वस्तु की मूल उत्पत्ति वाले देश समेत अन्य जरूरी जानकारी देनी है। उन्हें इसके बारे में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर सूचना देनी है, जिसके जरिये वे लेन-देन करते हैं।

बेबी बंप फ्लॉन्ट करते अनुष्का शर्मा की नई तस्वीर हुई वायरल

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रसे अनुष्का शर्मा इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी टाइम को एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में अनुष्का और उनके पति इंडियन क्रिकेट टीम के कैप्टन विराट कोहली ने अपने पेरेंट्स बनने की खबर को फैंस के साथ शेयर की थी। साथ ही उन्होंने ये भी बताया था कि अगले साल जनवरी में उनके बच्चे का जन्म होगा। इस खबर के सामने आते ही उनके फैंस और सेलेब्स ने उन्हें ढेरों बधाईयां दी थी। इसी बीच अब अनुष्का की कई नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस तस्वीरें में एक्टेस अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर गुड न्यूज शेयर करने के बाद अनुष्का ने कई बार बेबी बंप फ्लॉन्ट करती तस्वीरें शेयर की हैं। वहीं अब एक बार फिर से उन्होंने अपनी फोटोज पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों जिसमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, पॉकेट फुल ऑफ सनशाइन। फोटो में अनुष्का व्हाइट टीशर्ट के साथ पिंक डंगरी और व्हाइट शूज पहने दिख रही हैं। वहीं हाल ही में विराट कोहली ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अनुष्का शर्मा के साथ एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में दोनों समुद्र में नजर आए। दोनों की इस तस्वीर से उनके बीच की नज़दीकियों को साफ समझा जा सकता है। ख़ास बात है कि फोटो के साथ फोटोग्राफर की भी तारीफ हो रही है। यह फोटोग्राफर कोई और नहीं, बल्कि विराट के टीममेट और साउथ अफ्रीकन खिलाड़ी एबी डिविलियर्स हैं। उन्होंने साथ ही साथ एबी को फोटो क्रेडिट भी दिया है। बता दें कि अनुष्का शर्मा एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टा वॉल पर शेयर करती रहती हैं। वहीं उनकी इन खास तस्वीरों को फैंस काफी पसंद करते हैं।

लंदन के मशहूर चौराहे पर लगेगी शाह रुख़ ख़ान और काजोल की मूर्ति

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में प्रेम कहानियों का फ़िल्मों का लम्बा इतिहास रहा है। मुग़ले-आज़म, देवदास और मैंने प्यार किया जैसी फ़िल्मों ने सिनेमा के अलग-अलग दौर में मोहब्बत की ऐतिहासिक दास्तां पर्दे पर लिखी है, मगर दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे में राज और सिमरन ने मोहब्बत की जो कहानी लिखी, उसका असर कभी मराठा मंदिर में 1000 हफ़्ते तक चलने वाले शो, तो कभी अमेरिकी राष्ट्रपति के भाषणों में ज़िक्र के रूप में दिखता रहा है। मोहब्बत की इस सुपर हिट कहानी के नायक-नायिका को एक मूर्ति की सूरत में ढालकर लंदन के मशहूर लीसेस्टर स्क्वायर चौराहे पर हमेशा के लिए अमर कर दिया जाएगा। किसी हिंदी फ़िल्म के लिए ऐसा पहली बार होगा। पिछली सदी के आख़िरी दशक के मध्य में आयी दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के सफ़र की सिल्वर जुबली मनाने का इससे बेहतर तरीक़ा और क्या हो सकता है। आख़िर लंदन भी तो इस प्रेम कहानी का एक किरदार रहा है। 20 अक्टूबर 1995 को रिलीज़ हुई दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे में राज बने शाह रुख़ ख़ान, सिमरन के किरदार में काजोल और बाबूजी के रोल में अमरीश पुरी आज तक यादों में उसी तरह रचे-बसे हैं, जैसे अपनी ही किसी जानने वाले की कहानी हो। फ़िल्म की कास्टिंग की कहानी भी उतनी ही रोचक है, जितनी राज और सिमरन की लव स्टोरी। हिंदी सिनेमा को रोमांस और रिश्तों के एक अलग स्तर पर ले जाने वाले निर्देशक यश चोपड़ा के बेटे आदित्य चोपड़ा अपनी डेब्यू फ़िल्म में हॉलीवुड सुपर स्टार टॉम क्रूज़ को मुख्य भूमिका में लेना चाहते थे। आदित्य का इरादा एक इंटरनेशनल लव स्टोरी बनाने का था, मगर पिता तैयार नहीं हुए, जो एक अप्रवासी भारतीय की प्रेम कहानी को पर्दे पर पेश करने के पक्ष में थे। आख़िर, पिता का अनुभव आदित्य के जोश के सामने बड़ा साबित हुआ और देसी हीरो की खोज शुरू हुई। यश जी के निर्देशन में डर में काम कर चुके शाह रुख़ ख़ान को एप्रोच किया गया, मगर नेगेटिव रोल्स निभाकर सफलता का स्वाद चख चुके शाह रुख़ तब तक किंग ऑफ़ रोमांस बनने के लिए तैयार नहीं थे। कहानी, सैफ़ अली ख़ान से होते हुए आमिर ख़ान के पास गयी, मगर दोनों ने निजी कारणों से इसे ठुकरा दिया। आख़िरकार, आदित्य चोपड़ा शाह रुख़ को मना लिया और इस तरह किंग ख़ान को वो रोल मिला, जिसने रोमांस के रास्ते पर उनके सफ़र को ज़ोरदार धक्का दिया। सिमरन के लिए काजोल पहली पसंद थीं और उन्होंने हां करने में देर भी नहीं लगायी। आनंद बख्शी के गीतों को जतिन ललित ने ऐसे सुरों मे ढाला कि 25 साल बाद भी फ़िल्म के गाने मोहब्बत करने वालों का एंथम बने हुए हैं। वैसे तो फ़िल्म के सारे गानों को लता मंगेशकर, आशा भोसले, कुमार शानू, उदित नारायण और अभिजीत भट्टाचार्य की आवाज़ों ने सजाया है, मगर एक गीत घर आजा परदेसी को आदित्य चोपड़ा की मॉम पामेला चोपड़ा और मनप्रीत कौर ने आवाज़ दी। सिनेमाघरों में हिंदी सिनेमा में शोले और मुग़ले-आज़म जैसी फ़िल्मों के रिकॉर्ड तोड़ने वाली दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे रिलीज़ के दो दशक बाद तक मुंबई के मराठा मंदिर में चलती रही। फ़िल्म ने दिसम्बर 2014 में 1000 हफ़्ते पूरे करने का रिकॉर्ड कायम कर लिया था और फरवरी 2015 में फ़िल्म को यह रिकॉर्ड बनाने का बाद उतार लिया गया था।

कुमकुम भाग्य की इंदु का निधन, टीवी सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर जताया दुख

नई दिल्ली।टीवी जगत से एक शोक की खबर आ रही है। टीवी सीरियल में कुमकुम भाग्य में इंदु सुरी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस ज़रीना रोशन खान का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि ज़रीना 54 साल की थीं और कार्डिएक अरेस्ट आने के बाद एक्ट्रेस की मौत हो गई। ज़रीना लंबे समय से टीवी जगत में बतौर एक्ट्रेस काम कर रही थीं। टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य के अलावा भी एक्ट्रेस ने ये रिश्ता क्या कहलाता है और कई फिल्मों में काम किया है। एक्ट्रेस के कुमकुम भाग्य में इंदु सुरी के किरदार को काभी पसंद किया गया था। अब उनकी मौत की खबर से उनके फैंस काफी दुखी हैं। साथ ही कई उनके साथ काम कर चुके कई कलाकारों ने ज़रीना के निधन पर दुख जताया है और सोशल मीडिया के जरिए एक्ट्रेस को याद किया है। अब टीवी एक्टर्स सोशल मीडिया पर उनके साथ फोटो शेयर कर रहे हैं और उन्हें याद कर रहे हैं। एक्ट्रेस के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं एक्ट्रेस श्रिति झा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जानकारी दी है और दुख व्यक्त किया है। एक्टर शबीर आहलूवालिया ने भी एक्ट्रेस के साथ एक सेल्फी शेयर की है और हर्टब्रोकन इमोजी के साथ लिखा है- ये चांद सा रोशन चेहरा। कुमकुम भाग्या में पूरब का किरदार निभाने वाले एक्टर विन राणा ने भी ज़रीना की तस्वीर शेयर करते हुए दुख व्यक्त किया है। बता दें कि एक्ट्रेस ने कई फिल्मों में भी मां का किरदार निभाया था और एक्ट्रेस टीवी जगत का जाना पहचाना चेहरा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने पिछले महीने तक शूटिंग की थी और वो एक दम फिट थीं। हालांकि, साथी एक्टर्स के पास एक दम से खबर है, जो वाकई चौंका देने वाली है।

अमेज़न प्राइम वीडियो के राजकुमार राव को टक्कर देने आ रहे हैं नेटफ्लिक्स वाले राजकुमार राव

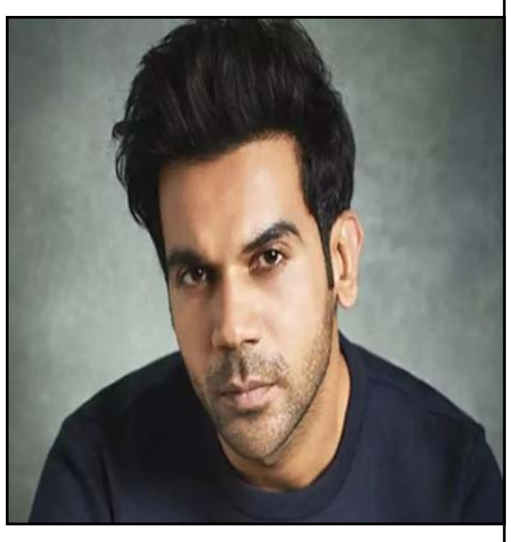

नई दिल्ली: राजकुमार राव ने एक के बाद एक फ़िल्मों के साथ दिवाली को ख़ास बनाने के लिए तैयार हैं। पहले उनकी फ़िल्म छलांग की घोषणा हुई, जो अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है। अब वह इस दिवाली के मौके पर नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही फ़िल्म लूडो में नज़र आने वाले हैं। वह आ भी रहे हैं और साथ में जबरदस्त एक्टर्स की फौज भी उनके साथ मौजूद है। नेटफ्लिक्स ने अपकमिंग फ़िल्म लूडो का ट्रेलर जारी कर दिया है। फ़िल्म में राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फातिमा सना शेख, अभिषेक बच्चन, पकंज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर और आशा नेगी भी अहम भूमिका में नज़र आने वाले हैं। कुल मिलाकर अनुराग बसु एक मल्टी स्टारर कॉमेडी फ़िल्म लेकर हाज़िर हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि एक लड़की की किडैनपिंग हो गई है। यह किडनैपर कोई और नहीं बल्कि अभिषेक बच्चन का किरदार है। हालांकि, यह उसकी पहली किडनैपिंग है। वहीं, राजकुमार राव जो कि एक वेटर का किरदार निभा रहे हैं, के सामने भी एक किडनैपिंग का मामला है। उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के पति को आजाद कराना है। इसके अलावा इन सबके बॉस हैं पंकज त्रिपाठी। ऐसे में सारे किरदार जाने- अजाने में एक ही ओर भाग रहे हैं। फ़िल्म का ट्रेलर देखकर आपको प्रियदर्शन की किसी कॉमेडी फ़िल्म की झलक मिलेगी। कई किरदार हैं, जो किसी ना किसी तरीके से एक दूसरे से जुड़े हैं। लेकिन कहीं और भगदड़ में फंसे हुए हैं। हालांकि, अंत में सबका गंतव्य निश्चित है। दिवाली के मौके पर ओटीटी पर बड़ा फ़िल्मी क्लैश देखने को मिलने वाला है। डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी स्टारर लक्ष्मी बम रिलीज़ हो रही है। इसके अलावा अमेज़न प्राइम वीडियो पर राजकुमार राव की छलांग, जिसे हंसल मेहता ने निर्देशित किया है। इसके अलावा नेटफ्लिक्स ने भी अब घोषणा कर ही दी है। देखना कौन-सी फ़िल्म कितना कमाल करके दिखाती है?

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ नेहा कक्कड़-रोहनप्रीत की शादी का कार्ड

नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ इनदिनों अपनी शादी की खबर को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में नेहा कक्कड़ ने सिंगर रोहनप्रीत सिंह संग शादी की खबर को लेकर खुलासा किया। इसी बीच अब नेहा और रोहनप्रीत सिंह की शादी का कार्ड इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस कार्ड में नेहा की शादी की तारीख का भी खुलासा हो गया है। इस कार्ड के सामने आते ही फैंस अब उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइ टेड है। नेहा कक्कड़ और सिंगर रोहनप्रीत सिंह का ये कार्ड उनके एक इंस्टाग्राम फैन क्लब द्वारा शेयर किया गया है। इस कार्ड में नेहा की शादी की पूरी डिटेल लिखी हुई है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में एक तरफ नेहा और रोहनप्रीत की तस्वीर छपी है तो वहीं दूसरी तरफ उनकी शादी कार्ड छपा हुआ है। नेहा और रोहनप्रीत 26 अक्टूबर, 2020 को सात फेरे लेकर शादी के बंधन में बंध जाएंगे। इसके साथ ही रिसेप्शन का वेन्यू पंजाब स्थित है। हाल ही में नेहा कक्कड़ ने रोहनप्रीत सिंह के साथ एक रोमांटिक फोटो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस फोटो में रोहन ने नेहा को पकड़ रखा है और दोनों एक दूसरे की आंखों में देख रहे हैं। दोनों ने ब्लैक कलर के कपड़े पहने हुए हैं। दोनों साथ में काफी अच्छे लग रहे हैं। वहीं अभी भी लोगों में इस बात को लेकर कन्फ्यूज़न बनी हुई है कि दोनों वाकई में शादी कर रहे हैं या नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में नेहा ने रोहनप्रीत के साथ एक फोटो शेयर की थी जिसपर लिखा था नेहा कक्कड़ वेड्स रोहनप्रीत लेकिन ये उनके गाने का पोस्टर था। गाने का टाइटल है 'नेहू द व्याह' जो 21 अक्टूबर को रिलीज़ किया जाएगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा था- आलिया को ऑनस्क्रीन किस करना बहुत बोरिंग

नई दिल्ली: हालिया रिपोर्ट के अनुसार मुंबई मेंबांद्रा कोर्ट ने कंगना रनोट और बहन रंगोली के खिलाफ सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में स्ढ्ढक्रदर्ज करने का निर्देश दिया हैद्य कंगना रनोट एक बार फिर निशाने पर हैद्य इस बार सिर्फ कंगना पर ही नहीं बल्कि उनकी बहन और मैनेजर रंगोली चंदेल भी रडार पर हैद्य हालिया खबरों की मानें तो मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने कंगना रनोट और उनकी बहन रंगोली चंदेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आर्डर दिया है। कंगना रनोट पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने का आरोप लगा हैद्य एफआईआर मुन्ना वराली और साहिल अशरफ सैयद नाम के लोगों द्वारा दायर की गई पिटीशन के आधार पर की गई हैद्य रिपोर्ट में यह भी लिखा गया है कि कंगना रनोट बॉलीवुड की क्रेडिबिलिटी को खत्म करने पर लगी हुई हैद्य सोशल मीडिया से लेकर टीवी तक हर जगह वह बॉलीवुड के खिलाफ बोल रही हैंद्य बॉलीवुड को वंशवाद को बढ़ावा देने वाली और पक्षपातपूर्ण बता रही हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि कंगना के कारण हिंदू और मुसलमान कलाकारों के बीच दूरी बढ़ी हैद्य इसके चलते बांद्रा कोर्ट ने कंगना और उनकी बहन के खिलाफ सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया हैद्य कंगना के विरूद्ध एफआईआर सीआरपीसी की सेक्शन 156 (3) के अंतर्गत दर्ज किया जा सकता हैद्य हाल ही में कर्नाटक में एक कोर्ट ने कंगना रनोट के खिलाफ किसान आंदोलन से जुड़े ट्वीट को लेकर एफआई आर दर्ज करने का निर्देश दिया था। कंगना रनोट बॉलीवुड अभिनेत्री है और वह कई फिल्मों में काम कर चुकी हैंद्य कंगना बॉलीवुड की खामियों पर अपना मत रखती हैद्य वह कई अवसरों पर अपने कटु अनुभव के आधार पर ट्वीट करती हैंद्य कंगना ने फिल्म निर्माता करण जोहर पर वंशवाद को बढ़ावा देने को लेकर कई बार निशाना साधा हैद्य कंगना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की शूटिग में व्यस्त है।

कॉमेडियन भारती सिंह ने फैन्स से किया वादा, कहा- 2021 में करेंगे फर्स्ट बेबी का वेलकम

नई दिल्ली। कॉमेडियन भारती सिंह ने अपने फैन्स से वादा किया है कि वह साल 2021 में पहले बेबी का वेलकम करेंगी। बता दें कि भारती सिंह इस समय टीवी डांस रिएलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' होस्ट कर रही हैं। इनके साथ पति हर्ष लिंबाचिया भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में कोरियोग्राफर फराह खान शो में मेहमान बनकर आईं, उनसे भारती ने यह वादा किया है। साथ ही फैन्स को खुशखबरी भी दी है। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया एक रोमांटिक डांस करते हैं, जिसके खत्म होने के बाद भारती बताती हैं कि हर्ष की मां ने मुझे इनकी जिम्मेदारी सौंपी है। सुबह उठने से पहले हर्ष की सारी चीजें मैनेज कर लूं, यह मैं ट्राई करती हूं। हर्ष कहते हैं कि भारती मेरी पत्नी और मां दोनों का रोल अदा करती हैं। इसके बाद भारती नेशनल टीवी पर फैन्स से कहती नजर आती हैं कि अभी मैंने हर्ष के डमी (नकली पुतला) को अपने हाथ में पकड़ा हुआ है। यह बेबी तो फेक है, लेकिन रियल बेबी 2021 में पक्का वेलकम करूंगी। मनोज बाजपेयी ने किया उस समय को याद, जब नहीं थे खाना खाने तक के पैसे। हर्ष इस पर कहते हैं कि अगर हम इस शो के अगले सीजन में होस्ट बनते हैं तो शायद बेबी को हाथ में लेकर इसे होस्ट करें। भारती इस पर कहती हैं कि क्या पता इस शो को मैं होस्ट तब कर रही हूं जब मैं एक्स्पेक्ट कर रही हूं। इसके अलावा भारती और हर्ष ने इच्छा जाहिर की कि वह चाहते हैं। कि हमारा पहला बेबी एक लड़की हो।

आईपीएल में अब तक 14 सुपर ओवर :

मुंबई। आईपीएल के इतिहास में पहली बार एक दिन में तीन सुपर ओवर खेले गए। 13वें सीजन के 35वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (य्यक्र) ने सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा) को सुपर ओवर में हराया। वहीं, इसी दिन खेले गए किंग्स इलेवन पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच दूसरे मैच में डबल सुपर ओवर देखने को मिला। दोनों टीमों के बीच मैच टाई रहने के बाद सुपर ओवर खेला गया। दोनों टीमों ने सुपर ओवर में 5-5 रन बनाए, जिसके बाद एक और सुपर ओवर खेला गया। दूसरे सुपर ओवर में मुंबई ने पंजाब को 6 बॉल में 12 रन का टारगेट दिया, जिसे पंजाब ने 4 बॉल में हासिल कर लिया। आईपीएल के इतिहास में ऐसा दूसरी बार हुआ, जब सुपर ओवर भी टाई रहा। इससे पहले 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया मैच और सुपर ओवर दोनों टाई रहे थे। हालांकि, इस मैच का रिजल्ट दोनों टीमों के बाउंड्री काउंट के जरिए आया था। राजस्थान रॉयल्स ने बाउंड्री काउंट में कोलकाता को हरा दिया था। वहीं, एक सीजन में पहली बार चार सुपर ओवर खेले गए। इससे पहले 2013 और 2019 में दो-दो सुपर ओवर खेले गए थे। यह इस सीजन का चौथा मैच है, जिसका रिजल्ट सुपर ओवर में निकला हो। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच खेला गया सीजन का दूसरा मैच सुपर ओवर में गया था, जिसे दिल्ली ने जीत लिया था। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए सुपर ओवर में आरसीबी ने जीत दर्ज की थी। जबकि रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच हुए 35वें मैच का भी रिजल्ट सुपर ओवर में आया। मैच में केकेआर ने एसआरएच को सुपर ओवर में हराया। इस सीजन में पंजाब और मुंबई की टीम दो बार सुपर ओवर खेल चुकी है। अब तक

बुमराह-रबाडा सबसे सफल बॉलर, पंजाब ने सबसे ज्यादा 3 सुपर ओवर में मैच जीते

पहली बार एकदिन में तीन सुपर ओवर

आईपीएल में कुल 14 सुपर ओवर खेले गए। जिसमें से एक ही मैच में दो सुपर ओवर शामिल है। 8 बार बाद में बैटिंग करने वाली टीम मैच जीती है। वहीं, पहले बैटिंग करने वाली टीम 5 बार ही मैच जीत सकी। केकेआर, किंग्स इलेवन पंजाब और मुंबई इंडियंस ने अब तक सबसे ज्यादा 4-4 बार सुपर ओवर खेला है।

पंजाब की टीम ने सबसे ज्यादा 3 बार सुपर ओवर में जीत हासिल की। वहीं, मुंबई इंडियंस को 2 और केकेआर को सिर्फ एक मैच में जीत मिली। राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद ने 3-3 बार सुपर ओवर खेला है। सुपर ओवर में सबसे ज्यादा 20 रन बनाने का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के नाम है। यह स्कोर उन्होंने 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बनाया था। 20 में से 17 रन कैमरून वाइट ने बनाए थे। सुपर ओवर में आरसीबी की ओर से विनय कुमार ने बॉलिंग की थी। वहीं, सुपर ओवर में सबसे ज्यादा रन चेज करने का रिकॉर्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम है। 2009 में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का मैच टाई होने के बाद सुपर ओवर में गया था। केकेआर ने सुपर ओवर में पहले बैटिंग करते हुए 16 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान ने 18 रन बनाकर मैच जीत लिया था। यूसुफ पठान ने अकेले 18 रन बनाए थे। आईपीएल के 12वें सीजन (2019) में दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सुपर ओवर में 10 रन बनाए थे। दिल्ली के लिए बॉलिंग करने आए कगीसो रबाडा ने केकेआर को सिर्फ 7 रन बनाने दिया। यह अब तक का सबसे कम टोटल है, जिसे किसी टीम ने डिफेंड किया हो। जसप्रीत बुमराह, कगीसो रबाडा, मोहम्मद शमी और जेम्स फॉल्कनर, वे चार बॉलर्स हैं, जिन्होंने आईपीएल में सुपर ओवर में एक से ज्यादा बार बॉलिंग की है। बुमराह ने सुपर ओवर में कुल चार बार बॉलिंग की, जिसमें से 2 बार मुंबई इंडियंस ने मैच जीता, जबकि दो में टीम हारी। वहीं, दिल्ली के रबाडा ने दो बार सुपर ओवर में बॉलिंग की और दोनों बार टीम को जीत मिली। मो. शमी ने तीन बार सुपर ओवर में बॉलिंग की, जिसमें से दो बार उनकी टीम को हार और एक बार जीत हासिल हुई। इनके अलावा राजस्थान रॉयल्स के पूर्व खिलाड़ी कामरान खान और जुआन थेरॉन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के डेल स्टेन और रवि रामपाल और मिचेल जॉनसन ने भी अपनी-अपनी टीमों को आईपीएल के सुपर ओवर में एक-एक मैच जिताया।

रोचक खबरें

पूर्व पाक कप्तान जावेद मियांदाद की एमएस धोनी को नसीहत

नई दिल्ली। भारत के बाहर यूएई में हो रहे आईपीएल के 13वें सीजन में तीन बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। टीम ने अब तक कुल नौ मैच खेले हैं जिसमें से तीन में टीम को जीत मिली जबकि छह मैचों को हार का सामना करना पड़ा। टीम अभी प्वॉइंट टेबल में 6 प्वॉइंट के साथ नीचे से दूसरे नंबर पर है। दो महीने पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी इस टूर्नामेंट में अपनी फॉर्म हासिल नहीं कर पाए हैं। उनका परफॉर्म न कर पाना भी टीम की लगातार हार की प्रमुख वजह है। धोनी की खराब फॉर्म पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने उन्हें सलाह दी है।

मार्कीज़ का शानदार प्रदर्शन, होंडा का 850वां प्रीमियर क्लास पोडियम

ग्रान प्रेमियो डे आरागॉन। बिना किसी चूक के एक ओर रेस में प्रीमियर क्लास में एलेक्स मार्कीज़ 11वें पॉज़िशन से शुरूआत कर दूसरे स्थान पर पहुंचे और शुष्क मौसम के पहले पोडियम के साथ जीत दर्ज की। मार्कीज़ सुबह वार्मअप में चौथे स्थान से शुरूआत करने के बाद अपने घरेलू मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन दे रहे थे। अपनी होंडा आरसी213वी पर उन्होंने गति बनाए रखी। रेस शुरू होते ही एलेक्स ने फारवर्ड लीप ली और जल्द ही टॉप टेन में आ गए। रूकी राइडर एंड्रिया डोविज़िओसो के साथ मुकाबला करते हुए उन्होंने ड्युकाटी राइडर को पीछे छोड़ दिया और मिलर के साथ अगली लाईन तक पहुंच गए। रेस में अपनी गति बनाए रखते हुए एलेक्स ट्रैक पर सबसे तेज़ राइडर थे।

एएफआई ने स्थगित की पहली राष्ट्रीय ओपन थ्रो प्रतियोगिता

नयी दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कोरोना वायरस के कारण सोमवार को पहली नेशनल ओपन थ्रो प्रतियोगिता को स्थगित करने का फैसला किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 26 -27 अक्टूबर को पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) एनएस-एनआईएस में होना था। इस प्रतियगिता को फिलहाल स्थगित किया गया है और नयी तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। एएफआई के अध्यक्ष आदिल जे सुमारिवाला ने कहाकि हमने मुख्य कोच, हाई परफॉरमेंस निदेशक और अन्य कोचों से चर्चा की और उन सभी ने कोरोना वायरस को देखते हुए एथलीटों की सुरक्षा पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन सभी से चर्चा करने के बाद हमने अगले आदेश तक इसे स्थगित करने का फैसला किया है।

लीग मुकाबलों में सुपर ओवर की जरुरत नहीं: मांजरेकर

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि आईपीएल के लीग मुकाबलों में सुपर ओवर कराने की कोई जरुरत नहीं है। आईपीएल में अबतक चार सुपर ओवर खेले जा चुके हैं। रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच टाई रहने पर सुपर ओवर कराया गया था जहां कोलकाता ने जीत हासिल की थी जबकि दूसरे मुकाबले में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मैच टाई रहने पर सुपर ओवर कराया गया।

मलिक, सरफराज, आमिर जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से बाहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर की सीरीज के लिए शोएब मलिक, सरफराज अहमद और मोहम्मद आमिर को संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर रखा है जबकि युवा बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक को जगह दी है। पाकिस्तान को जिम्बाब्वे के खिलाफ 30 अक्टूबर से तीन वनडे खेलने हैं। वनडे के बाद लाहौर में दोनों टीमों के बीच तीन टी-20 मैच का आयोजन होगा। पाकिस्तान ने इस सीरीज के लिए 22 संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की है।

एएफआई ने स्थगित की पहली राष्ट्रीय ओपन थ्रो प्रतियोगिता

नयी दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कोरोना वायरस के कारण सोमवार को पहली नेशनल ओपन थ्रो प्रतियोगिता को स्थगित करने का फैसला किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 26 -27 अक्टूबर को पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) एनएस-एनआईएस में होना था। इस प्रतियगिता को फिलहाल स्थगित किया गया है और नयी तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। एएफआई के अध्यक्ष आदिल जे सुमारिवाला ने कहाकि हमने मुख्य कोच, हाई परफॉरमेंस निदेशक और अन्य कोचों से चर्चा की और उन सभी ने कोरोना वायरस को देखते हुए एथलीटों की सुरक्षा पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन सभी से चर्चा करने के बाद हमने अगले आदेश तक इसे स्थगित करने का फैसला किया है।

A.F.I.

आरसीबी के नेट बॉलर थे प्रवीण दुबे, अब अमित मिश्रा की जगह दिल्ली की टीम में शामिल

नई दिल्ली। अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के विकल्प के तौर पर दिल्ली कैपिटल्स ने प्रवीण दुबे को चुना है। कर्नाटक के 27 वर्षीय लेग स्पिनर के बारे में टीम मैनेजमेंट ने सोमवार को आधिकारिक घोषणा की। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में जन्मे प्रवीण दुवे कर्नाटक के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। 14 टी-20 मैचों में 16 विकेट चटकाने वाले इस खिलाड़ी ने का इकॉनमी रेट महज 6.87 रन है। प्रवीण इस वक्त यूएई में ही हैं और आरसीबी के नेट बॉलर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इससे पहले 2016 की नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने उन्हें 35 लाख रुपये में टीम के साथ जोड़ा था और बिना कोई मौका दिए दो सीजन के बाद रीलिज कर दिया था। रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज स्पिनर्स और बेंच पर बैठे नेपाल के संदीप लामिछाने की मौजूदगी में प्रवीण दुबे का प्लेइंग इलेवन में शामिल होना असंभव ही लगता है। दुबे को पहली बार साल 2015-16 में कर्नाटक के लिए लिस्ट ए क्रिकेट में खेलने का मौका मिला था, जहां से उन्होंने सभी को आकर्षित किया। शारजाह में तीन अक्तूबर को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच के दौरान अमित मिश्रा के दाएं हाथ की अंगुली में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। 37 वर्षीय अमित मिश्रा की सर्जरी हो चुकी है और वह चोट से उबर रहे हैं। दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही है और मंगलवार को उसे किंग्स इलेवन पंजाब से भिड़ना है।

इंडियन नेशनल रेसिंग में लौटा योकोहामा 2020 सीजन में टीम उतारेगा

नयी दिल्ली। चैम्पियन याच क्लब एफएमएससीआई इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप 2020 में जापानी चुनौती देखने को मिलेगी क्योंकि टायर बनाने वाली जापान की प्रमुख कम्पनी योकोहामा ने देश के इस सबसे प्रतिष्ठित मोटरस्पोर्ट इवेंट में वापसी का ऐलान कर दिया है। 2020 आईएनआरसी का कार्यक्रम छोटा होगा। इस साल छह की जगह पांच राउंड होंगे और इनमें से दो का आयोजन दिसम्बर में ईटानगर में होगा और फिर बाकी के तीन दक्षिण भारत के कोयम्बटूर, हम्पी और बेंगलूरू में आयोजित किए जाएंगे। पूरा सीजन डेढ़ महीने में खत्म कर दिया जाएगा। भारतीय बाजार में बीते एक दशक में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के बाद योकोहामा ने खुद को एक बार फिर आईएनआरसी से जोड़ लिया है। इस साल योकोहामा न सिर्फ पार्टनर के तौर पर बल्कि एक प्रतिस्पर्धी टीम के तौर पर आईएनआरसी में हिस्सा लेगा। इस साल योकोहामा 'टीम योकोहामा' के नाम से अपनी चुनौती पेश करेगी। सीजन में योकोहामा की मौजूदगी काफी मजबूत होगी क्योंकि इस साल वह मौजूदा चैम्पियन चेतन शिवराम के अलावा डेन थिमैया, लोकेश गौड़, वैभव मराठे और अर्जुन राव जैसे प्रतिभाशाली के साथ अपनी चुनौती पेश करेगी।

संक्षिप्त समाचार

आचार संहिता के उल्लंघन पर राहुल त्रिपाठी को लगी फटकार

अबु धाबी। कोलकाता नाईट राइडर्स के बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रविवार को आईपीएल मुकाबले में आचार संहिता का उल्लंघन करने पर फटकार लगायी गयी है। आईपीएल ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। त्रिपाठी ने आचार संहिता के लेवल-1 नियम 2.3 के उल्लंघन को स्वीकार कर लिया है। इस लेवल के उल्लंघन में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।

शमी सुपर ओवर में सभी 6 गेंदें यॉर्कर फेंकना चाहते थे : राहुल

दुबई । किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार रात को खेले गए मैच में सुपर ओवर में मोहम्मद शमी और उनके प्लान पर भरोसा किया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में शमी ने मुंबई को सुपर ओवर में छह रन नहीं बनाने दिए और पांच रन देकर सुपर ओवर भी टाई करा दिया जिसके बाद मैच का फैसला सुपर ओवर में निकला। मैच के बाद राहुल ने कहा, आप कभी भी सुपर ओवर के लिए तैयारी नहीं कर सकते।

ओकुहारा और एंटनसन ने जीते डेनमार्क ओपन खिताब

ओडेंसे । दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की नोजोमी ओकुहारा और तीसरी सीड डेनमार्क के एंडर्स एंटनसन ने रविवार को डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के एकल खिताब जीत लिए। ओकुहारा ने तीसरी सीड स्पेन की कैरोलिना मारिन को लगातार गेमों में 21-19, 21-17 से हराकर महिला एकल खिताब जीता। ओकुहारा ने 56 मिनट में यह मुकाबला जीता। विश्व की चौथे नंबर की जापानी खिलाड़ी और छठे नंबर की स्पेनिश खिलाड़ी के बीच करियर का यह 16वां मुकाबला था और ओकुहारा ने इस जीत से रिकॉर्ड 8-8 कर लिया है।

जोशुआ और पुलेव के बीच दिसंबर में होगा हैवीवेट मुकाबला

लंदन । ब्रिटिश मुक्केबाज एंथनी जोशुआ इस साल पहली बार अपने विश्व हैवीवेट खिताब के बचाव के लिये 12 दिसंबर को लंदन मे कुबराट पुलेव से भिड़ेंगे। जोशुआ को पहले अक्टूबर 2017 में कार्डिफ में पुलेव से भिडना था लेकिन बुल्गारियाई मुक्केबाज कंधा चोटिल होने के कारण हट गया था। पुलेव लगातार छह मुकाबले जीतकर जोशुआ को चुनौती देने के हकदार बने। यह मुकाबला 20 जून को होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। जोशुआ की प्रमोशन कंपनी मैचरूम के अनुसार इस मुक्केबाज का पिछले दो वर्षों में घरेलू सरजमीं पर यह पहला मुकाबला होगा जिसमें उनके डब्ल्यूबीए, आईबीएफ और डब्ल्यूबीओ खिताब दांव पर लगे होंगे। इंग्लैंड में महामारी के दौरान मुक्केबाजी मुकाबलों के दौरान दर्शकों को आने की अनुमति नहीं है लेकिन मैचरूम ने कहा कि वे सीमित संख्या में दर्शकों की उपस्थिति के लिये कोशिश करेंगे।

ईस्ट बंगाल ने दो और विदेशी खिलाड़ियों से करार किया

कोलकाता । ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने दो और विदेशी खिलाड़ियों - आयरलैंड के विंगर एंथोनी पिलकिंगटन और वेल्श-नाइजीरियाई फारवर्ड आरोन अमाडी होलोव से करार किया है। क्लब की विज्ञप्ति के अनुसार दोनों खिलाड़ी गोवा में होटल में पहुंच चुके हैं जहां वे पृथकवास में हैं। इंडियन सुपर लीग की फ्रेंचाइजी ने पहले घोषणा की थी कि आस्ट्रेलिया के सेंटर बैक स्कॉट नेविले उनके पहले विदेशी खिलाड़ी होंगे।

विलारीयाल ने वेलेंसिया को हराया

मैड्रिड । वेलेंसिया के पूर्व खिलाड़ियों को अनुबंधित करना विलारीयाल के लिए फायदेमंद रहा जब टीम ने रविवार को यहां स्पेनिश फुटबॉल लीग मुकाबले में इस टीम को 2-1 से शिकस्त दी। डेनी पारेजो और पेको अलसासेर ने अपने पूर्व क्लब वेलेंसिया के खिलाफ गोल दागे जिससे विलारीयाल ने सत्र की तीसरी जीत दर्ज की।

मिस्टर 360 डिग्री डिविलियर्स का विस्फोट, जीते विराट के चैलेंजर्स

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ रोमांचक इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सिर्फ पांच रन का बचाव करने के दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सुपर ओवर में छह यॉर्कर फेंकना चाहते थे। नियमित 20 ओवर के बाद मैच टाई रहा। किंग्स इलेवन पंजाब की टीम इसके बाद पहले सुपर ओवर में पांच रन ही बना सकी। शमी ने हालांकि शानदार गेंदबाजी करते हुए मुंबई को इसी स्कोर पर रोक दिया। किंग्स इलेवन पंजाब ने अंततः दूसरे सुपर ओवर में जीत दर्ज की। राहुल ने मैच के बाद कहाकि आप कभी सुपर ओवर के लिए तैयारी नहीं कर सकते। कोई टीम ऐसा नहीं कर सकती। इसलिए आपको गेंदबाज पर भरोसा करना होता है। आप गेंदबाज पर भरोसा करते हो और उम्मीद करते हो कि वह अपनी सहज प्रवृत्ति के अनुसार गेंदबाजी करेगा। उन्होंने कहाकि वह (शमी) बिलकुल स्पष्ट था, वह छह यॉर्कर फेंकना चाहता था। उसने शानदार काम किया और प्रत्येक मैच के साथ बेहतर हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि सीनियर खिलाड़ी टीम को मैच जिताएं। मैच में 77 रन की पारी खेलने के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुने गए राहुल ने जीत पर खुशी जताई, लेकिन कहा कि उनकी टीम इस तरह जीत दर्ज करने की आदत नहीं बनाना चाहती। उन्होंने कहाकि यह पहली बार नहीं हुआ। लेकिन हम इस तरह की आदत नहीं बनाना चाहते। अंत में हम दो अंक स्वीकार करेंगे। हमेशा वैसा नहीं होता जैसी आप योजना बनाते हो इसलिए आपको नहीं पता कि संतुलित कैसे रहना है। राहुल ने कहा कि विकेट थोड़ा धीमा था और इसलिए उन्हें पता था कि पावर प्ले में रन बनाना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहाकि मैं क्रिस (गेल) और (निकोलस) पूरन को जानता हूं... मैं विश्वास करता हूं कि वे स्पिनरों के खिलाफ रन बनाएंगे। क्रिस के आने से बल्लेबाज के रूप में मेरा काम आसान हो गया है।

टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का खेलना मोदी सरकार के हाथ में, पीसीबी ने वीजा के लिए आईसीसी से लगाई गुहार

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वसीम खान ने कहा कि उनका बोर्ड चाहता है कि अगले साल अक्टूबर में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उसके खिलाड़ियों और अधिकारियों के वीजा मद्दे पर जनवरी 2021 तक आश्वासन दे। पीसीबी के सीईओ ने यह भी पुष्टि की कि निकट भविष्य में भारत-पाक के बीच द्विपक्षीय सीरीज की कोई संभावना नहीं है और 2023 से शुरू होने वाले आगामी भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में भी इसे जगह नहीं दी जाएगी।

भारत अक्टूबर में टी-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों को देखते हुए, पीसीबी ने आईसीसी से आश्वासन मांगा है कि वे उनके खिलाड़ियों और सहायक कर्मचारियों की वीजा प्रक्रिया का निपटारा करेंगे। खान ने पीटीआई-भाषा को दिए खास इंटरव्यू में कहाकि यह आईसीसी का मामला है। हमने अपनी चिंताओं पर चर्चा की है। एक होस्ट एग्रीमेंट है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि मेजबान देश (इस मामले में भारत) को टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाली टीमों के लिए वीजा और आवास उपलब्ध कराना होगा और पाकिस्तान उनमें से एक है। उन्होंने कहाकि हमने आईसीसी से खिलाड़ियों के वीजा पर आश्वासन मांगा है और आईसीसी इस मुद्दे पर अब बीसीसीबाई के संपर्क में है क्योंकि इसके लिए जरूरी निर्देश और पुष्टि उनकी सरकार से मिलेगी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि इस तरह के काम के लिए एक समय सीमा तय करना जरूरी होगा। उन्होंने कहाकि हमने दिसंबर-जनवरी तक की समयसीमा मांगी है, हमारा मानना है कि यह सही है।

बुमराह ने मलिंगा से जिम्मेदारी संभाल ली है : पोलार्ड

दुबई । मुंबई इंडियन्स के आलराउंडर कीरोन पोलार्ड का मानना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने श्रीलंका के लसिथ मलिंगा से जिम्मेदारी ले ली है और चार बार की चैंपियन टीम के गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ बन गए हैं। बुमराह (24 रन पर तीन विकेट) ने निर्धारित 20 ओवर में लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल और निकोलस पूरण के विकेट चटकाने के बाद किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से सुपर ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ पांच रन दिए। हालांकि बुमराह का यह प्रदर्शन टीम के काम नहीं आया और मोहम्मद शमी ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए मैच को दूसरे सुपर ओवर में खींचा जहां किंग्स इलेवन पंजाब ने जीत दर्ज की।

पोलार्ड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहाकि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। वह लंबे समय तक विभिन्न प्रारूपों में नंबर एक गेंदबाज रहा है। उसने काफी सीखा है और मुंबई इंडियन्स के लिए काफी प्रगति की है। हम उसके साथ सहज हैं।'' उन्होंने कहाकि कुछ साल पहले हमारे पास फिट लसिथ मलिंगा थे और अब उसने (बुमराह ने) यह जिम्मेदारी ले ली है।'' आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाज मलिंगा ने निजी कारणों से इस साल आईपीएल में नहीं खेलने का फैसला किया।

पहले सुपर ओवर में कप्तान रोहित शर्मा और च्टिन डिकॉक मुंबई को जीत तक पहुंचाने में नाकाम रहे। दूसरे सुपर ओवर में पोलार्ड और हार्दिक पंड्या की बदौलत गत चैंपियन टीम ने 11 रन बनाए लेकिन पंजाब की टीम ने लक्ष्य हासिल कर लिया। पोलार्ड ने कहाकि बेशक फैसला करने के लिए लोग मौजूद थे, बेशक इन चीजों को देखकर हम कह सकते हैं कि हमने कहां मैच गंवाया लेकिन हमने क्रिकेट का काफी अच्छा खेल दिखाया। हमने अच्छी बल्लेबाजी की।'' मुंबई ने मौजूदा सत्र में दूसरा मैच सुपर ओवर में गंवाया है। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने भी उन्हें सुपर ओवर में हराया था। इस हार के साथ मुंबई का लगातार पांच जीत का क्रम भी टूट गया और टीम 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अपनी टीम के लिए दूसरा सुपर ओवर डालने वाले पंजाब के तेज गेंदबाज क्रिस जोर्डन विजेता टीम का हिस्सा बनकर खुश हैं।

जोर्डन ने कहाकि मुझे लगता है कि इस सत्र में हमने अपने काफी मैच जिस तरह खेले उस तरह हम आसानी से विजेता टीम हो सकते थे।'' उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। मुझे लगता है कि पिछले दो मैचों में हमने जिस तरह एक टीम के रूप में भावना और एकजुटता दिखाई उसमें फ्रेंचाइजी किसी से पीछे नहीं है।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा, खुशी है कि अब भाग्य थोड़ा हमारा साथ दे रहा है लेकिन हम इसी से संतुष्ट नहीं हो सकते।'' जोर्डन ने दूसरे सुपर ओवर में 11 रन दिए। इसके बाद क्रिस गेल ने ट्रेंट बोल्ट की पहली गेंद पर छक्का जड़ा जबकि मयंक अग्रवाल ने लगातार दो चौके मारे जिससे पंजाब की टीम ने जीत दर्ज की।

लगातार तीन आईपीएल में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने राहुल

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल लगातार तीन आईपीएल में 500 से ज्यादा रन बनाने का अनूठा कारनामा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। राहुल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को खेले गए मुकाबले में अपनी 77 रन की पारी से यह उपलब्धि हासिल की।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।